04 - आपातकाल विमर्श यानी गड़े मुर्दे उखाड़ना

05 - सरकारी स्कूल की बदहाली और शिक्षा पर सवाल

A Daily News Magazine

इंदौर

मंगलवार, 16 जुलाई, 2024

06- चोरी की बढ़ती घटनाओं पर रोक लगवाने विधायक से मिले कैट व्यापारी

07- मुट्ठी भर धूपः जीवन के संघर्ष का बयान

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 265, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

अंबानी विवाह : शादियों पर भारत के लोग इतना खर्च क्यों करते हैं?

नंदिनी वेल्लाइसामी

पिछले दिनों से पूरे देश में एक शादी और उससे संबंधित आयोजन की खूब चर्चा हो रही है। ये शादी भारत के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी है। इस शादी में शामिल होने वाली मशहूर हस्तियों और उनके डिजाइनर कपड़े और स्टाइलिश लुक की भी चर्चा हो रही है। बॉलीवुड के सितारे, भारतीय क्रिकेट टीम के बड़े सितारे, शीर्ष उद्योगपति, कई देशों के प्रमुख नेताओं के अलावा पॉप आइकन जस्टिन बीबर जैसी हस्तियां इसमें शामिल हुईं। 12 जुलाई को अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी हुई, लेकिन शादी को लेकर कई आयोजन पिछले कुछ महीने से चल रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मुताबिक़, इस आयोजन पर कुछ हज़ार करोड़ रुपये ख़र्च हो रहे हैं।

दरअसल, भारत में शादियाँ 'पारिवारिक उत्सव' हैं। इसमें परंपराएं भी हैं और भारी ख़र्च घर-घर की कहानी हैं। भारतीय परिवार अपने यहां होने वाली शादी के जरिए दौलत, रुतबा और साख को समाज को दिखाने की कोशिश करते हैं। यहां तक कि दिखावे के लिए परिवार क़र्ज़ लेकर भी बड़ी रकम जुटाते हैं। हिंदू परिवार की शादियों में संगीत और हल्दी जैसी शादी की रस्में बड़ी धूमधाम से मनाई जाती हैं।

वहीं मुस्लिम परिवार में होने वाले विवाहों में 'मेंहदी', 'निकाह' और 'वलीमा' जैसी रस्में शामिल हैं। ईसाई शादियों में सगाई, शादी और रिसेप्शन समारोह शामिल होते हैं। यानी केवल अंबानी के घर की शादी ही नहीं बल्कि भारतीय समाज में हर शादी को शान का प्रतीक माना जाता है।

हर परिवार अपनी क्षमता के अनुसार शादी समारोह की योजना बनाता है, कोशिश यही होती है कि आयोजन भव्य और यादगार दिखे।

हर परिवार अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और सामाजिक दायरे में अपनी हैसियत दिखाने के लिए भी बढ़-चढ़कर ख़र्च करने में दिलचस्पी दिखाता है।

निवेश बैंकिंग और पूंजी बाज़ार फर्म जेफरीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में शादी समारोहों से जुड़ा बाज़ार करीब 10.7 लाख करोड़ रुपये का है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आमतौर पर भारतीय शिक्षा की तुलना में शादी पर दोगुना ख़र्च करते हैं। यह देश में खाद्य और किराना बाज़ार के बाद दूसरा सबसे बड़ा बाज़ार है। हालांकि दूसरे देशों में भी ऐसा चलन है। भारत में शादी का बाजार अमेरिका (5.8 लाख करोड़) से लगभग दोगुना है। हालांकि यह चीन के बाजार (14.1 लाख करोड़) से छोटा है।

भारत में हर साल 80 लाख से एक करोड़ तक विवाह समारोह होते हैं। जबकि चीन में यह आंकड़ा 70 से 80 लाख प्रति वर्ष और अमेरिका में 20-25 लाख है। यानी प्रति शादी के हिसाब से देखें तो चीन और अमेरिकी परिवार भारतीयों की तुलना में ज़्यादा ख़र्च करते हैं।

लेकिन भारतीय विवाह समारोहों के दौरान परिवार पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ बहुत बड़ा होता है। जेफरीज की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में शादियों पर औसतन 12.5 लाख रुपये खर्च होते हैं। धूमधाम से होने वाली शादियों पर औसतन 20-30 लाख रुपए ख़र्च होते हैं।

लेकिन एक शादी पर ख़र्च होने वाला औसत व्यय यानी 12.5 लाख रुपये, भारत की जीडीपी की प्रति व्यक्ति आय (2.4 लाख रुपये) का लगभग पांच गुना है। साथ ही एक भारतीय परिवार की औसत सालाना आय (4 लाख रुपये) की तुलना में यह तीन गुना से भी ज़्यादा है।

दिलचस्प बात यह है कि भारत में प्री-प्राइमरी स्तर से स्नातक स्तर तक की शिक्षा की औसत लागत की तुलना में यह लागत दोगुनी है. इन्हीं आंकड़ों पर गौर करें तो अमेरिका में शादियों पर होने वाला ख़र्च वहां की शिक्षा पर होने वाले ख़र्च का आधा है। इसमें एक बात तो तय है कि ऐसी भव्य शादियाँ कम आय वाले परिवारों पर आर्थिक बोझ पैदा करती हैं।

चेन्नई की कृतिका (बदला हुआ नाम) की जिंदगी में शादी के दस साल तक सब कुछ ठीक रहा। लेकिन उन्होंने कहा कि इस शादी के कारण उनके माता-पिता को कर्ज के जाल से निकलने में करीब दस साल लग गए।

2014 में जब उनकी शादी हुई तो मंडप और खाने पर ही करीब दस लाख रुपये ख़र्च हो गए थे। यह तब था जब कृतिका लव मैरिज कर रही थी।

दूसरी तरफ़ एक ऐसा वर्ग है जो अपनी जमा पूंजी का ज़्यादातर हिस्सा शादी पर ख़र्च कर देता है। चेन्नई के ही दिनेश को अपनी शादी पर लगभग चार-पांच साल तक बचाए गए पैसे का लगभग 70 प्रतिशत ख़र्च करने में कुछ भी ग़लत नहीं लगता। दिनेश खुद एक इवेंट प्लानर हैं। उन्होंने शादी के लिए ज्वेलरी, वेडिंग हॉल और स्टेज और सजावट पर करीब 30 लाख रुपये ख़र्च किए। आभूषणों पर होने वाला ख़र्च शादी के पूरे बजट को प्रभावित करता है। जेफ़रीज़ की रिपोर्ट के मुताबिक शादी समारोहों के दौरान अकेले आभूषणों पर 2.9 से 3.3 लाख करोड़ रुपये ख़र्च किए जाते है। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की शादियों में जो महत्व सोने को दिया जाता है, विलासितापूर्ण शादियों में वही महत्व हीरे को मिलता है।

सोने के आभूषण लंबे समय से भारतीय आभूषणों के बाद खाना ही दूसरा सबसे बड़ा ख़र्च होता है। आमतौर पर लोगों के मनोरंजन पर 1.9 से 2.1 लाख करोड़ रुपये खर्च किये जाते हैं। इसके अलावा कपड़े, मेकअप, फोटोग्राफी और अन्य पहलुओं पर ख़र्च अलग से होता है।

भारत में विवाह के सांस्कृतिक महत्व के कारण भारत के बाहर के देशों में भारतीय विवाह से संबंधित बाजार को बढ़ावा मिला है। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शादी समारोह भारत में ही मनाने पर ज़ोर दिया था।

'मैरिज कलर्स' के क्रिएटिव डायरेक्टर प्रदीप चंदर ने कहा कि दक्षिण भारत के तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में मशहूर हस्तियों की शादी करने का चलन बढ़ा है। वे बताते हैं, 'अंबानी परिवार ने खाली जगहों पर भव्य दिव्य सेट बनाकर शादी से पहले समारोह आयोजित करके एक नया चलन स्थापित किया। वहीं बॉलीवुड सेलिब्रिटीज अब बीच वेडिंग या हिट फिल्मों पर आधारित अनोखी थीम पर शादी की ओर रुख़ कर रहे हैं। हालांकि इसके साथ ही ऐसे युवाओं की संख्या भी अच्छी-खासी है जो सादगी से शादी करके ख़र्च कम करना चाहते हैं। तमिलनाडु के मदुरै ज़िले के मनोज उनमें से एक हैं। तमणिमेकलाई के मुताबिक महंगी शादियाँ समाज में दबाव पैदा करती हैं। उपभोक्ता संस्कृति से प्रभावित होकर, युवा पीढ़ी जीवन का भरपूर आनंद लेना चाहती है।' सच ये भी है कि लोगों के व्यवहार में बदलाव के कारण ऐसे भव्य विवाह समारोह आयोजित करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

बिहार, उ.प्र., महाराष्ट्र और असम में बारिश का तांडव

- असम में बाढ़ का कहर, मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 93
- दिल्ली में झमाझम कोंकण में रेलवे ट्रेक पर गिरा मलबा, 7 ट्रेन प्रभावित
- उत्तर प्रदेश में बाढ़ से 10 लाख लोग हुए प्रभावित
- महाराष्ट्र के नासिक में फोर्ट पर फंसे पर्यटकों का रेस्क्यू

उ.प्र.-बिहार में गंगा खतरे के निशान के करीब, मुंबई में गाड़ियां बहीं, 20 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नईदिल्ली/लखनऊ/पटना/मुंबई (एजेंसी) देशभर में जारी भारी बारिश का दौर थमता नहीं दिख रहा है। कई राज्यों में अब भी बाढ़ के हालात बने हुए हैं। इससे कई लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने आगामी पांच दिनों में कुछ क्षेत्रों में अत्यंत भारी तो, कुछ में भारी बारिश का अनुमान जताया है। बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और असम में लगातार बारिश हो रही है। इससे इन राज्यों में नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बाढ़ से जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

महाराष्ट्र में तेज बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं। नासिक के अंजनेरी फोर्ट में 10 से ज्यादा पर्यटक सीढ़ियों पर पानी के तेज बहाव में फंस गए। हालांकि, कुछ घंटों के बाद उन्हें वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया।

इसके अलावा रत्नागिरी और चंद्रपुर में देर रात और सुबह तेज बारिश हुई। इससे इन जिलों में सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर गया। खेड में दीवानखावटी स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर मलबे के कारण रेल सेवा बाधित हुई है। कई ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों पर चार से पांच घंटे लेट हैं।

शाह ने की मुख्यमंत्रियों से बात

इधर, बाढ़ के हालातों को देखते हुए गृहमंत्री अमित शाह ने गुजरात, उत्तर प्रदेश और असम में मुख्यमंत्रियों से बात की और उन्हें केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

- **असम में स्थिति गंभीर-** असम में बाढ़ के कारण हालत खराब है। बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित है, तो वहीं इससे अब तक 90 लोगों की मौत हो चुकी है। बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित किया गया है। राज्य आपदा प्राधिकरण के अनुसार गोवालपाड़ा में नाव पलटने से पांच लोगों की मौत हो गई। नगर्रा और खन्नौत नदियां इस वक्त उफान पर है।
- **उत्तर प्रदेश में बाढ़ से हाल बेहाल-** उत्तर प्रदेश में भी बाढ़ का कहर जारी है। बहगुल नदी उफान पर होने के कारण कई गांव जलमग्न हो गए। साथ ही कुछ लोगों की मौत की भी जानकारी सामने आई है। फर्रुखाबाद में रामगंगा और प्रयागराज, वाराणसी मिर्जापुर, कानपुर में गंगा नदी उफान पर हैं। राज्य में बाढ़ से 10 लाख लोग प्रभावित हुए हैं।
- **बिहार में सैकड़ों गांव जलमग्न-** नेपाल में जारी बारिश और कोसी बराज को खोले जाने के बाद बिहार में नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। राज्य में पिछले एक सप्ताह से जारी बारिश के कारण सैकड़ों गांव जलमग्न हो गए।
- **उत्तराखंड में कई मार्ग क्षतिग्रस्त-** उत्तराखंड में लगातार बारिश हो रही है। इससे गोमुख मार्ग कई जगह से क्षतिग्रस्त हो गया। लोगों के गंगोत्री पार्क प्रशासन ने लोगों के गोमुख जाने पर भी रोक लगा दी है।

सुप्रभात

एक युवा की मृत्यु से
धरती से कुछ सपने कम हो जाते हैं
कुछ आदर्श कम हो जाते हैं
कुछ मासूमियत कम हो जाती है
कुछ पवित्रता कम हो जाती है
एक युवक की मृत्यु से
धरती से कुछ ऊर्जा कम हो जाती है
एक युवती की मृत्यु से
धरती से कुछ सुंदरता कम हो जाती है
चिता और उस पर चढ़ी युवा देह
सबसे बड़ा विरोधाभास है
इस देह को धरती, आकाश और
पानी में गति करना थी
अपने आसपास को आलोकित करना था
दुनिया को कुछ नया देना था
एक युवा की मृत्यु
धरती को बहुत कुछ
विपन्न कर जाती है।

- चंद्रशेखर साकल्ले

डॉ. सुदाम खाड़े ने आयुक्त जनसंपर्क का पदभार ग्रहण किया

भोपाल (एजेंसी)। डॉ. सुदाम खाड़े ने सोमवार को जनसंपर्क संचालनालय में आयुक्त जनसंपर्क का पदभार ग्रहण कर लिया है। निवर्तमान जनसंपर्क आयुक्त

श्री संदीप यादव ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

जनसंपर्क संचालनालय में डॉ. खाड़े के पदभार ग्रहण करने पर संचालक श्री रौशन कुमार सिंह, अपर संचालक श्री जीएस वाधवा, श्री संजय कुमार जैन, श्री मनोज खरे सहित सभी अधिकारी, कर्मचारियों ने पुष्प-गुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

सीएम डॉ. यादव ने ली पर्यटन बोर्ड की बैठक

भोपाल में राजा भोज म्यूजियम या रिसर्च सेंटर बनेगा, मेले, नृत्य-फिल्म शूटिंग को लेकर भी चर्चा

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में राजा भोज की विधाओं और साहित्य पर आधारित रिसर्च सेंटर या म्यूजियम सेंटर बन सकता है। सोमवार को सीएम डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में पर्यटन बोर्ड को प्लान बनाने को कहा है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में पर्यटन बोर्ड के संचालक मंडल और साधारण सभा की वार्षिक बैठक सोमवार को हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, प्रदेश के पारंपरिक और भव्य मेलों, यात्राओं जैसे भगोरिया उत्सव, महाकाल की सवारी का प्रभावी ढंग से प्रचार करें। आधुनिक प्रचार-प्रसार के साथ पारंपरिक वाद्य यंत्रों को बजाने वाले स्थानीय कलाकारों और पारंपरिक नृत्य के दलों को जोड़े। उन्हें प्रोत्साहित करें। इससे स्थानीय कला और पारंपरिक नृत्यों का भी प्रचार-प्रसार होगा।

फिल्म की शूटिंग के लिए बने प्लान को भी बताए

सीएम डॉ. यादव ने भोपाल समेत प्रदेश में फिल्म की शूटिंग के लिए बनी योजना के प्रचार-प्रसार करने की बात भी कहीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में फिल्मांकन के लिए आने वाले प्रोडक्शन हाउस और कलाकारों से समन्वय कर अच्छी योजना और उपलब्धियां का भी प्रचार करने पर कार्य करें। युवाओं को आकर्षित करने वाली साहसिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दें।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की भी समीक्षा की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की भी समीक्षा की। उन्होंने योजना के संबंध में कई निर्देश दिए।

भोजशाला की 2000 पन्नों की रिपोर्ट इंदौर हाईकोर्ट में पेश

हिंदू पक्ष का दावा- इमारत परमारकालीन; मुस्लिम पक्ष बोला- फैसला सुप्रीम कोर्ट से ही होगा

भोपाल/इंदौर (एजेंसी)। धार की भोजशाला मंदिर है या मस्जिद? इस सवाल का जवाब तलाशने के लिए 98 दिन वैज्ञानिक सर्वे किया गया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के वकील हिमांशु जोशी ने सोमवार को रिपोर्ट इंदौर हाईकोर्ट में पेश कर दी। ये रिपोर्ट मीडिया से शेयर नहीं करने के निर्देश सभी पक्षों को दिए गए हैं। वकील हिमांशु जोशी का कहना है कि रिपोर्ट 2 हजार पेज की है। इससे ज्यादा कुछ नहीं बता सकते।

पता चला है कि यह रिपोर्ट 2000 से ज्यादा पन्नों में है। सर्वे और खुदाई के दौरान मिले 1700 से ज्यादा प्रमाण/अवशेष इस रिपोर्ट में शामिल किए गए हैं। इस पर 22 जुलाई को सुनवाई होगी।

याचिकाकर्ता के वकील हरिशंकर जैन ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि भोजशाला को लेकर तैयार रिपोर्ट से 100 प्रतिशत हिंदू पक्ष का दावा साबित हो रहा है। यहां 94 आर्टिकल्स मिले, इनमें टूटी मूर्तियां, शिलालेख और संस्कृत के श्लोक हैं। इससे प्रतीत होता है कि मां वाग्देवी मंदिर ही था और धार्मिक शिक्षा दी जाती थी। अलग-अलग कालखंड के करीब 30 सिक्के भी इनमें शामिल हैं।

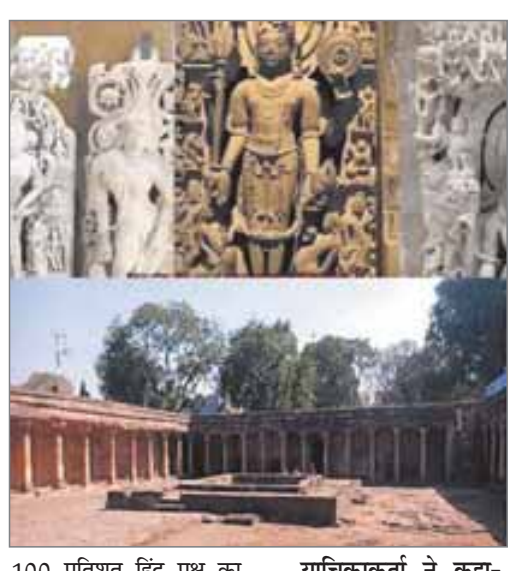

याचिकाकर्ता ने कहा- परमारकालीन मूर्तियां भी मिलीं- हिंदू पक्ष के याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने दावा किया कि जो सर्वे हमारे सामने हुआ था, उस आधार पर हम कह रहे हैं कि यह इमारत राजा भोज के काल की ही साबित होगी, जिसे वर्ष 1034 में बनाया गया था।

- **फैसला सुप्रीम कोर्ट के स्तर पर ही होगा**

धार के शहर काजी वकार सादिक ने मीडिया से कहा कि हाईकोर्ट रिपोर्ट पेश होने की जानकारी मिली है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही निर्देश दे चुका है कि एएसआई की रिपोर्ट पर हाईकोर्ट स्तर से कोई एक्शन नहीं लिया जा सकता है। 22 जुलाई को सुनवाई है, लेकिन फैसला सुप्रीम कोर्ट स्तर से ही करना है।

उन्होंने कहा कि सुनने में आया है कि रिपोर्ट पक्षकारों को दी जा रही है। रिपोर्ट की गोपनीयता बनाए रखने के निर्देश भी सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे, ऐसे में पक्षकारों को रिपोर्ट की जानकारी दिया जाना था या नहीं, इस तथ्य पर भी जानकारी ले रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि कोई भी पक्ष रिपोर्ट की जानकारी सार्वजनिक नहीं करेगा, ताकि अमन कायम रहे। वसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा के लिए हिंदू पक्ष को भोजशाला में पूरे दिन पूजा और हवन करने की अनुमति है। ये हवन कुंड भोजशाला के बीच में है।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38.5 °c
न्यूनतम 33°c

सुबह सवेरे
इंदौर ■ मंगलवार,16 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

नोएडा में बैंक का सर्वर हैक कर 16 करोड़ उड़ाए

5 दिन में 84 बार ट्रांजेक्शन किया; कर्मचारियों को भनक तक नहीं लगी

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा में नैनीताल बैंक का सर्वर हैक कर ठगों ने 16 करोड़ से ज्यादा ट्रांसफर कर लिए। बैलेंस शीट का सही मिलान न होने पर बैंक कर्मचारियों के होश उड़ गए। आईटी मैनेजर ने साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज कराई। जांच हुई तो सामने आया कि ठगों ने बैंक के रियल टाइम ग्रंस सेटलमेंट (आरटीजीएस) चैनल को ही हैक कर लिया था। बैंक से 5 दिनों में 1, 2 बार नहीं, बल्कि 84 बार ट्रांजेक्शन किया, लेकिन कर्मचारियों को भनक तक नहीं लगी। अब बैंक फ्रॉड खातों को सीज करने की तैयारी में है।

17 जून को पहली बार 3.60 करोड़ का लेनदेन पकड़ा- सुमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया- मैं सेक्टर-62 स्थित नैनीताल बैंक में आईटी मैनेजर हूं। 17 जून को आरटीजीएस खाते के बैलेंस सीट में 3 करोड़, 60 लाख, 94 हजार 20 रुपए का डिफरेंस मिला। इसके बाद आरटीजीएस टीम ने (स्ट्रक्चर्ड फाइनेंशियल मैसेजिंग सिस्टम) सर्वर के साथ कोर बैंकिंग सिस्टम में लेन-देन की जांच की। सामने आया कि कोर बैंकिंग सिस्टम और एसएफएमएस में काफी खामियां हैं।

84 बार में 16.01 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए- मैनेजर ने बताया- 18 जून को आरबीआई बैलेंस सीट मेल नहीं खा रहा थी। शुरुआत में आरटीजीएस टीम को लगा कि सिस्टम लाइन में कुछ समस्या होगी। इस वजह से ठीक से मिलान नहीं हो पा रहा। 20 जून को आरबीआई सिस्टम की समीक्षा की गई।

इसमें पता चला कि बैंक से 84 बार लेन-देन में धोखाधड़ी हुई है। आरटीजीएस सिस्टम हैक कर 16 करोड़ 1 लाख 83 हजार 261 रुपए ट्रांसफर किए गए। सभी ट्रांसफर 16 से 20 जून के बीच किए गए। यह भी सामने आया है कि आरटीजीएस सेटलमेंट से पैसे निकालकर कई खातों में भी जमा किए गए।

जिन खातों में रुपए ट्रांसफर हुए, उन बैंकों को ई-मेल भेजा

आईटी मैनेजर ने बताया- जिन बैंकों में धोखाधड़ी कर रुपए ट्रांसफर किए गए, उन बैंकों को ई-मेल भेजा गया है। खातों को फ्रीज करने के लिए कहा गया है, ताकि ट्रांसफर रुपए वापस आ सकें। साइबर क्राइम थाने के साथ ही आरबीआई एसएसएम टीम, आरबीआई सीएसआईटीई टीम, सर्ट-इन को शिकायत की गई। सभी एजेंसियां जांच में जुटी हैं। एसीपी साइबर विवेक रंजन राय ने कहा- नोएडा सेक्टर-62 स्थित नैनीताल बैंक के आईटी मैनेजर द्वारा थाने में एक शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत में 16-20 जून के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा इनके सर्वर को हैक कर करीब 16 करोड़ रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किए गए।

'पीएम मेरे पास आए और प्रणाम किया'

- राम मंदिर उद्घाटन पर सवाल उठाने वाले शंकराचार्य बोले- पीएम कोई गलती करेंगे तो हम उन्हें भी टोकेंगे

मुंबई। पीएम मोदी ने हाल ही में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का विरोध करने वाले ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात की।

शंकराचार्य ने पीएम के साथ हुई भेंट के बारे में बताया। दोनों की मुलाकात अनंत अंबानी की शादी कार्यक्रम के दौरान हुई थी। शंकराचार्य ने इसी के साथ कहा कि पीएम मोदी मेरे पास आए और उन्होंने मुझे प्रणाम किया। दरअसल, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की आशीर्वाद सेरेमनी में दोनों की मुलाकात हुई थी।

मोदी जी हमारे दुश्मन नहीं- शंकराचार्य ने आगे कहा कि हमारा नियम है कि जो भी हमारे पास आएगा, हम उसे आशीर्वाद देंगे। नरेंद्र मोदी जी हमारे दुश्मन नहीं हैं।

ट्रक और बस के बीच भयानक टक्कर, 6 लोगों की मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस हाईवे पर ट्रक और बस के बीच भयानक टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल

में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, यह लग्जरी बस महाराष्ट्र से राजस्थान जा रही थी और सुबह करीब साढ़े चार बजे आणंद के पास एक्सप्रेस हाईवे पर ट्रक के साथ भीषण टक्कर हो गई और तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोगों की अस्पताल में इलाज के दौरान जान चली गई।

पूजा खेडकर का खुला एक और राज

पुणे (एजेंसी)। ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर मामले में नई जानकारी सामने आई है। पूजा ने 2007 में एमबीबीएस में दाखिले के लिए

गैर-क्रीमी लेयर ओबीसी प्रमाण पत्र जमा किया था। यह जानकारी काशीबाई नवले मेडिकल कॉलेज के निदेशक ने दी है। बता दें कि पूजा खेडकर पर अपने पद का दुरुपयोग करने और सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए फर्जी विकलांगता और जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के आरोप हैं।

नीट : सभी याचिकाएं हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर होंगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में नीट मामले पर आज सुनवाई हुई। सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच ने देश के सभी हाईकोर्ट में एनटीए के खिलाफ दायर हुई याचिकाओं को

ट्रांसफर करने के लिए नोटिस जारी कर दिया है। दरअसल, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सुप्रीम कोर्ट में नई याचिकाएं दायर की थीं। इनमें एजेंसी ने देश के सभी हाईकोर्ट में लगी याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किए जाने की मांग की थी। इस मामले की सुनवाई की सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की डिवीजन बेंच ने की।

युवती की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या

सीहोर में आरोपी ने एकतरफा प्यार में की वारदात; मां पर भी किया फायर

सीहोर (नप्र)। सीहोर में एक युवक ने घर में घुसकर युवती को गोली मार दी। बीच बचाव में आई लड़की की मां पर भी फायर कर दिया। दोनों को घायल हालत में अस्पताल ले जाया गया। जहां युवती ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जबकि उसकी मां की हालत गंभीर बनी हुई है।

मामला जिले के भैरुंदा का है। वारदात रविवार रात की है। आरोपी ने 3 फायर किए। मां-बेटी की चीख सुनकर जब आसपास के लोग वहां आए तब तक आरोपी मौके से फरार हो चुका था। घटना के समय घर पर युवती की बड़ी बहन और छोटा भाई भी मौजूद था।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए एक दल बनाकर उसके गांव रवाना किया है। आरोपी ने लड़की की मां पर भी गोली चलाई। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

दोनों में 2 साल से चल रहा था प्रेम प्रसंग- एसडीओपी दीपक कपूर ने बताया कि रात 8 बजे रेहटी निवासी प्रभु दायमा आया और उसने घर में मौजूद 20 साल की युवती पर गोली चला दी। बताया जा रहा है कि दोनों में 2 साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों आपस में रिश्तेदार भी हैं। लड़की के पिता का कहना है कि आरोपी के परेशान करने पर पुलिस को शिकायत की थी।

युवक की पुलिस को पहले ही की थी शिकायत- मृतक युवती के पिता का कहना है कि युवक कई दिनों से बच्ची को परेशान कर रहा था। इसे लेकर पुलिस को पहले ही शिकायत की थी। उसके खिलाफ तीन महीने पहले एफआईआर भी दर्ज करवाई थी। वह फिर भी नहीं मान रहा था। आए दिन धमकियां देता रहता था। उसके पिता मेरे चचेरे भाई हैं।

उन्होंने बताया वह एक तरफा प्रेम करता था। हमने उसे बहुत समझाया था, वो कहने लगा था कि मैं तो ऐसे ही बात करता हूं। घटना हुई तब मैं बाजार में सब्जी लेने गया था।

आज से 6 ट्रेनें रद्द, 3 का रूट डायवर्ट

खंडवा स्टेशन पर एनआई वर्क; कटनी-भुसावल ट्रेन भी नहीं आएगी

खंडवा (नप्र)। खंडवा जंक्शन पर एनआई वर्क के कारण मुंबई और दिल्ली की ओर से आने वाली 41 ट्रेनों को 15 से लेकर 22 जुलाई तक रद्द कर दिया है। वहीं 43 गाड़ियों को वाया भोपाल-रतलाम-वसई रोड डायवर्ट कर दिया है। रविवार को भी कुछ ट्रेनें रद्द रही तो वहीं कुछ ट्रेन डायवर्ट रही, लेकिन यात्रियों को पहले से जानकारी होने के कारण ज्यादा असर नहीं दिखा।

सोमवार से 41 ट्रेनें रद्द रहेगी और 43 ट्रेनों का रूट डायवर्ट रहेगा। इससे यात्रियों को समस्या होगी। सोमवार को खंडवा स्टेशन से गुजरने वाली 02185 रीवा-सीएमएसटी एक्सप्रेस, 02186 सीएमएसटी-रीवा, पनवेल-गोरखपुर, गोरखपुर-पनवेल, 05290 पुणे-मुजफ्फरपुर, 15065 05289 मुजफ्फरपुर-पुणे खंडवा स्टेशन नहीं आएगी।

वहीं अमृतसर-सीएमएसटी, सीएमएसटी-अमृतसर, 194 83 अहमदाबाद-बरौनी ट्रेन का रूट बदला रहेगा। इसी तरह आज से 19014कटनी-भुसावल 23 जुलाई तक रद्द रहेगी।

उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए योगेश गोयल को 'देश रत्न अवॉर्ड'

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार योगेश कुमार गोयल को पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए गैर-राजनीतिक संगठन 'नेशनल अकाली दल' द्वारा 'देश रत्न अवार्ड' से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में मुक्तधारा ऑडिटोरियम में आयोजित एक भव्य समारोह में नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा तथा संगठन के पदाधिकारियों ने प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि योगेश गोयल विगत 34 वर्षों से राजनीतिक तथा समसामयिक विषयों के अलावा पर्यावरण, सामरिक और समाज से जुड़े

लगभग सभी महत्वपूर्ण विषयों पर देश के सभी प्रमुख समाचारपत्र-पत्रिकाओं में निरन्तर लेखन कर रहे हैं। गोयल ने वर्ष 1990 में छात्र जीवन से ही पत्रकारिता की शुरूआत की थी।

ट्रक में घुसी कार, डब्लूसीएल के अधिकारी की मौत

पत्नी, दो बच्चे और ड्राइवर घायल; झारखंड से महाराष्ट्र जा रहा था परिवार

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में हुए रोड एक्सीडेंट में झारखंड की डब्लूसीएल (वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड) कंपनी के अधिकारी की मौत हो गई। हादसा रविवार रात हाईवे पर पनागर के कुसनेर गांव के पास हुआ। पत्नी, दो बच्चे और ड्राइवर घायल हुए हैं। ड्राइवर की हालत गंभीर बताई जा रही है। कौशल सिंह (40) महाराष्ट्र के चंद्रपुर के रहने वाले थे। पत्नी रश्मि और दो बच्चों के साथ वे चंद्रपुर जा रहे थे। कार की ड्राइवर वाली सीट पर कौशल, जबकि पत्नी और बच्चे पिछली सीट पर बैठे थे। बताया जा रहा है कि हाईवे पर ट्रक ड्राइवर ने ब्रेक लगाए, इस वजह से पीछे से आ रही कार ट्रक में घुस गई। ड्राइवर कार पर कंट्रोल नहीं कर पाया। सिर में चोट लगने से कौशल सिंह की मौत हो गई। पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज भिजवाया। पनागर थाना प्रभारी अजय बहादुर सिंह ने बताया कि ट्रक को जब्त कर लिया गया है।

भजनलाल सरकार जमीन के बदले ज्यादा मुआवजा देगी

- 15 की जगह 25 फीसदी जमीन दी जाएगी; कॉमर्शियल जमीन की जगह आवासीय का विकल्प मिलेगा

जयपुर (एजेंसी)। भजनलाल सरकार ने सड़क, बाइपास और मास्टर प्लान के लिए अधिग्रहित की गई जमीन पर अब ज्यादा मुआवजा देने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने आदेश जारी किया है कि 2005 से पहले के जिन केस में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो गई है या जमीन अधिग्रहण के बदले में मुआवजा देने का ऑर्डर जारी हो चुका है, उनमें 10 फीसदी ज्यादा मुआवजा दिया जाएगा।

राज्य सरकार के आदेश के तहत अब ऐसे केस में अधिग्रहित की गई कुल जमीन का 15 फीसदी (विकसित भूमि) की जगह 25 फीसदी मुआवजा दिया जाएगा। वहीं, 2005 से पहले और इसके बाद के मामलों में भी मुआवजे में बदलाव किया गया है। मुआवजे के रूप में अब तक 25 फीसदी जमीन का प्रावधान है, इसमें 5 फीसदी जमीन कॉमर्शियल होती है।

महिला ने मंगाए थे 133 रुपये के मोमोज

डिलीवरी नहीं मिलने पर कोर्ट ने सुनाया फैसला- अब पूरी उम्र फ्री में खाएगी

बेंगलुरू (एजेंसी)। फूड डिलीवरी एप्स को लेकर आए दिन दिलचस्प खबरें आती रहती हैं। इस बीच कर्नाटक के बेंगलुरू से जोमैटो एप से मोमोज ऑर्डर करने का मजेदार मामला सामने आया है। दरअसल बेंगलुरू में एक महिला ने जोमैटो से मोमोज ऑर्डर किए थे, लेकिन ये ऑर्डर डिलीवर नहीं हो पाया। जिसके बाद महिला ने कोर्ट में केस दर्ज कर दिया, अब कोर्ट ने महिला के समर्थन में फैसला सुनाया है और जौमेटो पर हजारों का जुर्माना लगाया है।

दरअसल ये मामला पिछले साल का है, शीतल नाम की महिला ने 31 अगस्त 2023 को जोमैटो से मोमोज का ऑर्डर दिया था। गूगल पे के जरिए 133.25 रुपए का भुगतान भी किया। ऑर्डर करने के 15 मिनट बाद महिला के पास मैसेज आया कि उसका ऑर्डर डिलीवर हो गया है, लेकिन न ही उसका ऑर्डर डिलीवर हुआ और न डिलीवरी एजेंट उसके पास आया।

72 घंटे तक नहीं आया जवाब, तब महिला ने.... इसके बाद महिला ने ईमेल के जरिए जोमैटो से शिकायत की और जवाब आया उन्हें 72 घंटे तक इंतजार करना पड़ेगा, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। तब महिला ने फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म को एक कानूनी नोटिस भेज दिया। कोर्ट में पहले वकील ने महिला को ही झूठा बना दिया था, लेकिन जब महिला ने कोर्ट में शिकायत करने वाला सबूत पेश किए तो ये साबित हो गया कि महिला सच बोल रही है।

श्रीनगर के मुहर्रम जुलूस में लहराया फिलिस्तीन का झंडा

गाजा के समर्थन में लगाए नारे; भारी संख्या में जुटी भीड़

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर के शिया समुदाय ने सोमवार को पारंपरिक गुरु बाजार-डलगेट मार्ग पर शोक के आठवें मुहर्रम का जुलूस निकाला। अधिकारियों ने बताया कि जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ, क्योंकि पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था का प्रबंध किया गया था। जुलूस सोमवार तड़के शहर के गुरु बाजार इलाके से शुरू हुआ और जहांगीर चौक और मौलाना आजाद रोड से होते हुए निर्धारित मार्ग से गुजरा और फिर डलगेट पर समाप्त हुआ।

दो जगहों पर लहराया गया फिलिस्तीन का झंडा- इस जुलूस के दौरान एक दो अन्य स्थानों पर फिलिस्तीन झंडा लहराने और नारों की खबरें इंटरनेट मीडिया पर दिख रहीं। यह लगातार दूसरा साल है, जब अधिकारियों ने मुहर्रम जुलूस को पारंपरिक मार्ग से निकालने की अनुमति दी है।

कश्मीर में आतंकवाद के पनपने के बाद जुलूस पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, क्योंकि आशंका थी कि अलगाववादी भीड़ का गलत मकसद से दुरुपयोग कर सकते हैं।

जुलूस के लिए दिया गया था सीमित समय- यह जुलूस कर्बला में शहीद हुए पैगम्बर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की याद में मनाया जाता है। अधिकारियों ने जुलूस के लिए सीमित समय दिया था, इसलिए सुबह 5.30 बजे हजारों लोग गुरु बाजार में एकत्र हुए, ताकि सामान्य जीवन प्रभावित न हो।

राम को नेपाली बताने वाले ओली बने प्रधानमंत्री

काठमांडू (एजेंसी)। भगवान राम को नेपाली बताने वाले केपी ओली आज नेपाल नए प्रधानमंत्री बन गए है। उन्हें आज राष्ट्रपति नेपाल के रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति कार्यालय में प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई। ओली ने भारत समर्थक माने जाने वाले शेर बहादुर देउबा के साथ मिलकर गठबंधन की सरकार बनाई है।

मुस्लिम लॉ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत ठहराया

- तलाकशुदा महिलाओं को गुजारा भत्ता देना इस्लामी कानून के खिलाफ

नईदिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजाराभत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत ठहराया है। एआईएमपीएलबी की वर्किंग कमेटी ने एक बैठक कर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर चर्चा की। इस बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें कहा गया कि यह फैसला 'शरिया' (इस्लामी कानून) के खिलाफ है। लिहाजा एआईएमपीएलबी सभी संभावित उपायों का पता लगाएगा जिससे सुप्रीम कोर्ट से इस फैसले को पलटने को कह सके। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला अपराध प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144) के तहत अपने पति से भरण-पोषण की हकदार है। इसके लिए वह याचिका दायर कर सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने एक मुस्लिम युवक मोहम्मद अब्दुल समद की याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश दिया।

इंदौर में कई चौराहों पर तीन मिनट तक रहती है रेड लाइट, जरा सी बारिश में ट्रैफिक जाम...

इंदौर। आबादी बढ़ने के साथ ही इंदौर शहर में प्रत्येक चौराहे पर यातायात व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। जरा-सी बारिश होने या फिर वाहनों के गुत्थमगुथा होते ही सड़क पर जाम की स्थिति बन जाती है। इसकी वजह से गंतव्य तक पहुंचने में लोगों को अधिक समय लग रहा है। बिगड़े ट्रैफिक को सुधारने की सख्त जरूरत महसूस होने लगी है। इस कार्य के लिए अब शहर की शीर्ष संस्था आईआईटी और आईआईएम इंदौर आगे आई है। ट्रैफिक सिग्नल से लेकर चौराहों को सुव्यवस्थित करने के अलावा वाहन चालकों को यातायात के प्रति जागरूक किया जाएगा। फिलहाल यातायात को बेहतर बनाने आईआईटी के विद्यार्थी जानकारी जुटाने में लगे हैं।

रेड लाइट ज्यादा समय तक रहती है- बीते दिनों महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी के बीच चर्चा हुई थी। इसमें चौराहों को व्यवस्थित करने सहित लोगों को यातायात के प्रति जागरूक करने पर भी बातचीत की गई। इसके बाद आईआईटी के विद्यार्थियों ने कुछ चौराहों और सिग्नल के बारे में अध्ययन किया, जिसमें पाया कि शहर में रेड लाइट का समय काफी अधिक है।

कई चौराहों पर दो से तीन मिनट तक रेड लाइट- कई चौराहों पर दो से तीन मिनट तक रेड लाइट रहती है। वाहन चालकों में धैर्य नहीं है। कई बार चालक सिग्नल नहीं होने पर भी वाहन निकालते हैं। जबकि जो वाहन चालक चालान के डर से सिग्नल पर खड़े रहते हैं, वे भी रेड लाइट बंद होते ही वाहनों को आगे बढ़ा लेते हैं। वैसे ग्रीन सिग्नल चंद सेकंड दिया जाता है। इस वजह से चालक वाहन निकलने में जल्दबाजी करते हैं। इससे सिग्नल पर वाहन आपस में गुत्थमगुथा होते हैं और जाम जैसी स्थिति बन जाती है। फिलहाल आईआईटी ने शहर के अलग-अलग चौराहों पर सिग्नल की स्थिति देखी है।

निगम को देना होगा प्रजेंटेशन

आईआईटी और इंदौर नगर निगम में प्रारंभिक स्तर पर यातायात को लेकर चर्चा हुई है। अब निगम की तरफ से प्रजेंटेशन होना बाकी है, जिसमें आईआईटी ने प्राब्लम स्टेटमेंट मांगा है। इसके माध्यम से शहर के किन चौराहों पर यातायात की ज्यादा दिक्कतें है, वह बताना है। आईआईटी ने चुनिंदा चौराहों के बारे में पूछा है।

5-ई पर दिया सुझाव

यातायात को लेकर आईआईएम इंदौर ने 2019 में एक अध्ययन किया था, जिसमें 5-ई के बारे में सुझाव दिया था। इनमें एजुकेशन, इंजीनियरिंग, एनफोर्समेंट, एन्वायरमेंट, इमरजेंसी प्रमुख था। आईआईएम ने चौराहों को व्यवस्थित करने के लिए इंजीनियरिंग पर जोर दिया था। लोगों में यातायात नियमों का पालन करवाने और जागरूकता के बारे में कहा।

स्कूल बसें होंगी और ज्यादा सेफ, छत पर लगेगा वाटर टैंक... आग लगते ही चालू हो जाएंगे फव्वारे

इंदौर। स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रशासन लगातार प्रयास करता रहता है। स्कूलों के लिए खरीदी नई बसों का परिवहन विभाग में पंजीयन तभी किया जा रहा है जब उसमें फायर अलार्म एंड प्रोटेक्शन सिस्टम (एफएपीएस) डिवाइस लगी हो। बसों में आग लगने पर इस डिवाइस के कारण सीटों पर पानी का फव्वारा शुरू हो जाएगा और आग पर तत्काल काबू पा सकेंगे।

ऐसे काम करता है एफएपीएस डिवाइस

एफएपीएस डिवाइस फायर अलार्म एंड प्रोटेक्शन सिस्टम है। इसमें बस की छत पर वाटर टैंक बनाना होता है। इसके साथ नाइट्रोजन सिलिंडर भी लगाया जाता है। बस के अंदरुनी हिस्से यानी सीटों के ऊपर पाइप लाइन डालकर उसमें स्प्रिंकलर लगाने होते हैं।

बस में आगजनी की घटना होने पर यह नाइट्रोजन और पानी को पाइप लाइन में पहुंचाता है और स्प्रिंकलर के माध्यम से तेजी से सीटों पर आता है, जिससे त्वरित गति से आग पर नियंत्रण पा सकते हैं।

डिवाइस के कारण लेट हो रहे

समाया स्कूल बस ट्रांसपोर्ट प्रा.लि. के मैनेजर अभय मिश्रा ने बताया कि 15 बसों में से कुछ पुरानी तो कुछ का रजिस्ट्रेशन पहले ही हो चुका है। जो नई बसें खरीद रहे हैं उनमें एफएपीएस डिवाइस को अनिवार्य कर दिया गया है। आरटीओ ने 2023 के बाद की बसों में डिवाइस लगाने के बाद ही रजिस्ट्रेशन के लिए कहा है। इसके चलते बसों का संचालन नहीं कर पा रहा है।

जेसीबी से उछले पत्थर से मासूम का सिर फटा, मौत

घर के बाहर खेल रहा था बच्चा, तभी मुरम समतल करते समय हुआ हादसा

इंदौर। इंदौर के हीरानगर में सड़क पर काम कर रही जेसीबी मशीन से पत्थर उछलकर पांच साल के बच्चे के सिर में लगने से मौत हो गई। घटना सोमवार सुबह हुई। परिजन ने आक्रोश जताया है। पुलिस के मुताबिक घटना लाहिया कॉलोनी की है। यहां जेसीबी मशीन से सड़क पर मुरम समतल की जा रही थी। तभी जेसीबी से एक पत्थर उछला जो 5 साल के बच्चे शिवांश पुत्र राकेश काबरा को जा लगा। इससे उसे सिर में गंभीर चोट आई। सिर फटने से खून बहने लगा। परिवार के लोग उसे लेकर तत्काल लाइफ केअर अस्पताल (एलसीएच) पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने कहा कि अस्पताल लाने से पहले ही उसकी मौत हो गई थी।

राज्य सेवा परीक्षा 2024 में पद बढ़ाने की मांग

एमपीपीएससी के बाहर बारिश के बीच अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, पुलिस पहुंची

इन्दौर। राज्य सेवा परीक्षा 2024 में पदों की वृद्धि सहित अन्य मांगों को लेकर सोमवार को एमपीपीएससी के अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन कर आयोग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। अभ्यर्थी प्रशांत राजावत ने बताया कि राज्यसेवा भर्ती परीक्षा 2024 में कुल 110 और वन सेवा परीक्षा 2024 में 14 पद है। जबकि विभागों में हजारों पद खाली है। हम अभ्यर्थियों की मांग है कि राज्य सेवा परीक्षा 2024 में कम से कम 500 और वन सेवा परीक्षा 2024 में 100 पदों पर भर्ती की जाए। ओबीसी आरक्षण के कारण हजारों अभ्यर्थी नियम के कारण होल्ड पर है इसलिए ओबीसी आरक्षण के केस को कोर्ट में खत्म करने के लिए प्रयास किए जाना चाहिए।

सीएम राइज स्कूलों की बसों का नहीं हो पा रहा रजिस्ट्रेशन

इंदौर जिले के 11 सीएम राइज स्कूलों में 10 जुलाई तक 60 से अधिक बसें शुरू होनी थी, लेकिन परिवहन विभाग के नए नियम से पंजीयन नहीं हो पा रहा है। अब तक पांच सीएम राइज स्कूलों में सिर्फ 15 पुरानी बसें ही शुरू की गई हैं। अब खरीदी गई नई बसों में डिवाइस लगवाई जा रही है। अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक नरेंद्र जैन ने बताया कि बसों के संबंध में एजेंसी से बात की गई थी। उनका कहना है कि नई बसों का रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा है। आरटीओ प्रदीप शर्मा का कहना है कि बसों में एफएपीएस डिवाइस लगने के बाद ही पंजीयन किया जाएगा।

इंदौर ने साढ़े नौ घंटे में बनाया 12 लाख पौधे रोपने का विश्व रिकॉर्ड

इंदौर। इंदौर ने रविवार (14 जुलाई 2024) को एक नया इतिहास लिख दिया। मध्य प्रदेश शासन के महाअभियान एक पेड़ मां के नाम के तहत यहां की जनता व जनप्रतिनिधियों ने 12 घंटे में 11 लाख पौधे रोपने का संकल्प लिया था, जिसे तय समय से पहले साढ़े नौ घंटे में ही पूरा कर लिया गया। इंदौर की रेवती रेंज पहाड़ियों पर सुबह 7 बजे से शुरू हुआ पौधारोपण का सिलसिला शाम 7 बजे तक चला। लक्ष्य शाम 7 बजे तक 11 लाख पौधे रोपने का था, लेकिन शाम 4.30 बजे तक पौधारोपण का आंकड़ा 12 लाख से ऊपर पहुंच चुका था। इसके बाद भी पौधारोपण जारी रहा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी इसमें शामिल हुए और अपनी मां के नाम पीपल का पौधा रोपा।एक ही दिन में पौधारोपण का बना रिकॉर्ड एक ही दिन में इतनी बड़ी संख्या में पौधारोपण कर इंदौर ने असम का एक दिन में 9 लाख 26 हजार पौधे रोपने का रिकॉर्ड तोड़कर नया रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज किया।

आईटीआई इंदौर में विश्व युवा कौशल दिवस महोत्सव का समापन

समूह चर्चा, निबंध-गीत लेखन और स्किल प्रतियोगिता के साथ चला स्वच्छता और पौधारोपण

इंदौर(एजेंसी)। शासकीय सभागीय आईटीआई, नन्दानगर-इंदौर में मनाए जा रहे दो दिवसीय विश्व युवा कौशल दिवस महोत्सव के दूसरे दिन 15 जुलाई को भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, विभिन्न सामयिक विषयों पर समूह चर्चा, निबंध एवं गीत लेखन प्रतियोगिता, स्किल कॉम्पटिशन का आयोजन किया गया।

स्किल कॉम्पटिशन में ड्राफ्ट्समैन सिविल के आयुष अग्रवाल, ग्रुप डिस्कशन में पल्लवी ओझा और निबंध प्रतियोगिता में अमित कुशवाह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

संस्था के प्राचार्य जी.एस. साजापुरकर ने बताया कि विश्व युवा कौशल दिवस का उद्घाटन योगेश मेहता, अध्यक्ष, ए.आई.एम.पी. इंदौर के मुख्य आतिथ्य एवं शिवनारायण शर्मा, चेयरमैन , आईएमसी शासकीय संभागीय आईटीआई इंदौर की अध्यक्षता में हुआ। विश्व युवा कौशल दिवस के दो दिवसीय आयोजन का समापन समारोह मुन्नालाल यादव, सभापति- नगर निगम, इंदौर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा प्रॉडक्शन शॉप का शुभारंभ, प्रदर्शनी का अवलोकन तथा संस्था परिसर में पौधारोपण किया गया।

मॉडल, वर्किंग मॉडल, वेस्ट मैटेरियल से ऑब्जेक्ट बनाए

प्रदर्शनी में प्रशिक्षण अधिकारी मस्तान सिंह राजपूत, लोकेन्द्र सोलंकी, धनराज नरवरे, हरीश शर्मा, संजय जैन, विष्णु प्रधान, गौरव सिंघल, निखिल पण्डित, संध्या बाघेला, ऋचा जैन, कल्पना वंशिवाल, अविनाश धाकड़े, श्रीति चंद्रन, भावना खन्ना, मोहदे सांखला, महेंद्र अहिरवार के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने मॉडल, वर्किंग मॉडल, वेस्ट मैटेरियल से ऑब्जेक्ट बनाए।

प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कार वितरित किए

कार्यक्रम में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम वाले तथा विभिन्न गतिविधियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। संस्था के उप प्राचार्य जी.आर. अंबोदिया के मार्गदर्शन में एवं संबंधित समस्त व्यवसायों के प्रशिक्षण अधिकारियों के निर्देशन में स्किल कॉम्पटिशन और विभिन्न प्रतियोगिताओं में संस्था के प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कौशल विकास की विभिन्न योजनाओं की जानकारी विपिन पुरोहित, प्रशिक्षण एवं नियोजन अधिकारी ने दी।

कार्यक्रम में विभिन्न उद्योगपति, जनप्रतिनिधि, लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधि, आईटीआई की आईएमसी के सदस्य, संस्था का स्टाफ एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन यू.एस. चौहान, एनसीसी ऑफिसर एवं माधवी शर्मा प्रशिक्षण अधिकारी ने किया। प्रशिक्षण अधिकारी शरद शर्मा ने आभार माना।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ असंतोष आया सामने

नेता अजय चौरड़िया ने प्रेस वार्ता कर कहा जीतू पटवारी पद छोड़ें

इंदौर। प्रदेश कांग्रेस में अंदरुनी हलकों में प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ पनप रहा असंतोष और विरोध अब जमीन पर आ गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के गृह क्षेत्र इंदौर से ही इसकी शुरुआत हुई है। पटवारी पर सत्ता के साथ समन्वय कर सेटलमेंट की राजनीति कर संगठन को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है।

बकायदा स्थानीय प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता में कांग्रेस उद्योग व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अजय चौरड़िया ने कांग्रेस अध्यक्ष पर कांग्रेस संगठन को कमजोर करने के आरोप लगा दिए। आलाकमान से मांग भी कर दी कि पटवारी के साथ प्रभारी महासचिव भंवर जितेंद्रसिंह को भी हटाया जाना चाहिए। पटवारी को प्रदेश कांग्रेस की कमान संभाले करीब सात महीने हो चुकी है। विधानसभा चुनाव के परिणामों के बाद पटवारी को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया था। इस बीच कांग्रेस गुटों में बंटी नजर आ रही थी। साथ ही कई बड़े नेता और कार्यकर्ता खुद को दरकिनार करने का आरोप लगा रहे थे।

हालांकि विरोध अब तक सिर्फ अंदरुनी तौर पर चर्चाओं तक ही सीमित था। पहली बार सार्वजनिक रूप से पटवारी के खिलाफ इंदौर में मोर्चा खोल दिया गया है। चौरड़िया ने आरोप लगाया कि पटवारी न केवल सरकार के साथ सेटलमेंट कर रहे हैं बल्कि भाजपा नेताओं के साथ कारोबारी संबंध भी निभा रहे हैं।

इंदौर लोकसभा सीट पर कांग्रेस को उम्मीदवार विहीन होने के लिए भी पटवारी को जिम्मेदार ठहरा दिया। चौरड़िया ने कहा कि पटवारी को पहले जानकारी थी कि इंदौर में कांग्रेस उम्मीदवार पाला बदलेगा। इस बारे में वे केवल लापरवाह ही नहीं बने रहे बल्कि षडयंत्र करते हुए उन्होंने ही डमी उम्मीदवार को सही फार्म भरने से रोका। डमी उम्मीदवार मोतीसिंह पटेल को दो नामांकन दाखिल करने थे लेकिन पटवारी के करीबी ने यह कहते हुए रोक दिया कि भैया से बात हो गई है। एक ही फार्म भरवाया गया। इस बारे में कुछ लोगों के पास वीडियो भी है लेकिन वे डर के कारण इसे सार्वजनिक नहीं कर रहे। चौरड़िया ने यह तक कह दिया कि अपने भाई नाना पटवारी को प्रशासन और कानूनी कार्रवाई और जिलाबदर से बचाने के लिए भी जीतू पटवारी भाजपा के साथ सेटलमेंट कर रहे हैं। पटवारी की भाषा रवैये पर भी उन्होंने सवाल खड़े किए। कटनी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि पटवारी जहां जिस जिले में जाते हैं वहां पदाधिकारी कांग्रेस छोड़ देते हैं। कटनी में ऐसा हुआ। बैतूल और धार लोकसभा सीट पर स्थानीय विधायकों व कार्यकर्ताओं को अनदेखी कर दिकट दिए। मुरैना में टिकट घोषणा में देरी की ताकि पार्टी को नुकसान हो। लोकसभा चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को सहयोग नहीं किया।

आंदोलन नहीं करने दे रहे

पत्रकार वार्ता में प्रदेश उद्योग व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष ने कहा कि पटवारी कार्यकर्ताओं को आंदोलन करने की अनुमति तक नहीं दे रहे। इंदौर में पेपर लीक कांड में जब उनसे अनशन की अनुमति कुछ कार्यकर्ताओं ने मांगी तो उन्होंने इनकार कर दिया।

प्रदेश कांग्रेस का कार्यकर्ता हताश

नगर निगम के घोटाले हो या अन्य कांड पटवारी न खुल कर सामने आ रहे हैं ना ही अन्य नेताओं को आक्रामक विरोध करने दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस का कार्यकर्ता हताश है। कार्यकर्ता सामने आ कर विरोध नहीं कर सकते इसलिए सबकी आवाज उठाने के लिए मुझे सामने आना पड़ा।

इंदौर में पौधे लगाने की मुहिम में समर्थन करेगा अदाणी समूह, 11 लाख पौधे उपलब्ध कराने का किया वादा

इंदौर। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान को हर जगह समर्थन मिल रहा है। मध्य प्रदेश में साढ़े पांच करोड़ पौधे रोपे जाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए कई संस्थाएं राज्य सरकार को पौधे उपलब्ध करा रही हैं। मध्य प्रदेश में वृहद स्तर पर किए जा रहे पौधारोपण अभियान का असर नजर आने लगा है। रविवार को ही इंदौर में एक दिन में सबसे ज्यादा पौधे लगाने का रिकॉर्ड बनाया गया है। 11 लाख से ज्यादा पौधे रोपे गए हैं। इसे देखते हुए अब इतने ही पौधे अदाणी समूह राज्य सरकार को उपलब्ध कराने जा रहा है। ताकि सरकार के पौधारोपण अभियान को बल मिल सके। बता दें कि समाजसेवा क्षेत्र में भी अदाणी समूह लगातार प्रयास करता रहा है। हरियाली को भी उन्होंने मिशन बना रखा है। अब इसका फायदा मप्र में भी मिलेगा। अदाणी ग्रुप की ओर जारी एक ट्वीट से जानकारी मिली है कि वे समूह मध्य प्रदेश के इंदौर में 11 लाख पौधे उपलब्ध कराएगा, इससे राज्य सरकार के 5.5 करोड़ पेड़ लगाने के संकल्प को समर्थन मिलेगा। यह प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए एक पेड़ मां के नाम अभियान का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य देशभर में 1.4 अरब पेड़ लगाना है। बता दें कि अदाणी ग्रुप ने वित्तीय वर्ष 2030 तक 10 करोड़ पेड़ लगाने का संकल्प लिया है।

इंदौर रच चुका इतिहास

स्वच्छता में सात बार से देश में सिरमौर बन रहे इंदौर ने आखिरकार एक दिन में सर्वाधिक पौधे रोपने का विश्व रिकॉर्ड भी बना लिया। इंदौर की रेवती रेंज टेकरी पर रविवार को यह रिकॉर्ड बना। रेवती पर्वत पर पौधारोपण के विश्व रिकॉर्ड को जांचने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम आई थी। 300 से ज्यादा लोगों की टीम ने पौधों की गिनती की। टीम का नेतृत्व कर रहे निश्चय ने बताया कि इंदौर में 11 लाख से ज्यादा पौधे लगाए गए हैं। वास्तविक आंकड़ा ऑडिट के बाद बताया जाएगा। गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक, असम के उदलगुड़ी जिले में गत वर्ष 13 और 14 सितंबर के बीच 24 घंटे में 9 लाख 26 हजार पौधे लगाए गए थे। इस रिकॉर्ड को इंदौर में 14 जुलाई 2024 को 11 लाख से ज्यादा पौधे रोप कर तोड़ दिया गया।

एमपी ऑनलाइन के संचालक से 2 लाख रुपये की ठगी

इंदौर। इंदौर में ठगी एक चौंकाने वाला सामने आया है। इसमें शातिर ठग एमपी ऑनलाइन सेंटर संचालक से दो लाख रुपये के साथ उसकी बाइक भी ले गया। ठग अपने जिस नौकर को दुकान पर छोड़कर गया था, उसने बताया तीन दिन पहले ही मैं नौकरी पर लगा हूं। ठग ने एमपी ऑनलाइन सेंटर संचालक को दो लाख रुपयों की चपत लगा दी। द्वारकापुरी पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, घटना बिल्सी कारखाना द्वारकापुरी की है। फरियादी हरीश पाटीदार निवासी कुंदन नगर ने आकाश ठाकुर नामक ठग के खिलाफ शिकायत की है।

मल्लिकार्जुन खरगे के करीबी हैं चौरड़िया

उल्लेखनीय है कि चौरड़िया कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के करीबी माने जाते हैं। खड़गे के अध्यक्ष के चुनाव में वे ही दिल्ली से उनके एजेंट व पर्यवेक्षक नियुक्त हुए थे। खड़गे के परिवार के साथ भी वे बीते समय अलग-अलग जगह नजर आते रहे हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि खड़गे के साथ उनके संबंध निजी है। कांग्रेस कार्यकर्ता होने के कारण संगठन की बेहतरी के लिए वे आवाज उठा रहे हैं।

संपादकीय

ट्रंप पर हमले के मायने

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति और फिर से आगामी चुनाव में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर एक सभा में जानलेवा हमले ने जहां अमेरिकी सिक्योरिटी की पोल खोल दी है, वहीं यह भी साबित कर दिया है कि कोई सुरक्षा व्यवस्था कितनी ही अभेद्य न हो, हमलावर कहीं भी अपनी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। हालांकि ट्रंप के सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल हमलावर युवक को ढेर कर दिया। अभी भी यह खुलासा नहीं हो सका है कि इस युवक ने ट्रंप पर हमला क्यों किया। जबकि बताया जा रहा है कि वो खुद ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी का ही सदस्य रह चुका था। सौभाग्य से इस जानलेवा हमले में ट्रंप बच गए, लेकिन इससे अमेरिकी राष्ट्रपति की हत्या अथवा हत्या के प्रयास के मामलों में एक कड़ी और जुड़ गई है। इस घटना से अमेरिका में पनपे गन कल्चर पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। तमाम सामूहिक हत्याओं के बाद भी अमेरिकी जनता गन कल्चर पर कानूनी बंदिश के हक में नहीं है, यह भी हैरान करने वाली बात है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत शनिवार को अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में ट्रंप एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उसी वक्त एक युवा हमलावर ने दूर से निशाना साध कर गोलियां चलाईं। गोली ट्रंप के कान को छूते हुए निकल गई। ट्रंप ने तुरंत लोगों ने नीचे झुकने को कहा और खुद कान से बहता खून रोकने की कोशिश की। इस अचानक हमले से चौंके सीक्रेट सर्विस के सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई करते हुए हमलावर युवक को वहीं ढेर कर दिया, जबकि एक अन्य व्यक्ति भी हमले के दौरान मारा गया। हमलावर की पहचान थॉमस मैथ्यू क्रूक्स के तौर पर हुई है। जांच के दौरान उसके घर से बड़ी मात्रा में विस्फोटक भी बरामद हुए हैं। अमेरिका की खुफिया एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (एफबीआई) ने इसे पूर्व राष्ट्रपति की हत्या की कोशिश बताया है। अमेरिका में चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। हालांकि रिपब्लिकन पार्टी के एक सीनेटर जेडी वेंस ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति बाइडन पर 'हत्या के लिए उकसाने' का आरोप लगाया है। वेंस के बारे में कहा जाता है कि वो उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी हो सकते हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप को अपना दोस्त बताते हुए हमले की कड़ी निंदा की है। हमले के बाद ट्रंप के बेटे ने हवा में मुट्ठी लहराते ट्रंप की तस्वीर लहराते तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की और कहा कि अमेरिका को ऐसे ही नेता की जरूरत है।

राजनीतिक हिंसा की इस हैरान करने वाली घटना का अमेरिका के चुनाव अभियान पर ज़ाहिर तौर पर असर पड़ सकता है। अमेरिकी खुफिया सेवा के एजेंटों ने ट्रंप पर हमला करने वाले संदिग्ध व्यक्ति पर गोली चलाकर उन्हें मौक़े पर ही मार दिया है।

यह हमला ऐसे वक्त पर हुआ है, जो अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ट्रंप अपनी आक्रामक छवि के साथ दूसरी बार राष्ट्रपति पद के दावेदार हैं। राजनीतिक प्रेक्षक उन पर हुए हमले के राजनीतिक अर्थ तलाशने में जुट गए हैं। माना जा रहा है कि इस हमले से ट्रंप की लोकप्रियता में एकदम फर्क आने लगा है। इससे चुनाव की दिशा भी बदल सकती है। वैसे भी बाइडेन को डेमोक्रेटिक पार्टी का कमजोर प्रत्याशी माना जा रहा हैं। क्योंकि बाइडेन वृद्ध हैं और उन्हें भूलने की बीमारी लग चुकी है।

नजरिया

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आपातकाल विमर्श यानी गड़े मुर्दे उखाड़ना

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गाँधी का चुनाव निरस्त करते हुये अगले 6 वर्षों तक उनके चुनाव लड़ने पर भी रोक लगा दी थी। उसके बाद ही जयप्रकाश नारायण द्वारा इंदिरा गाँधी के इस्तीफ़े की मांग को लेकर 'संपूर्ण क्रांति' के नाम से राष्ट्व्यापी आंदोलन छेड़ दिया गया था और देश भर में प्रदर्शन शुरू हो गए थे। हालांकि 24 जून, 1975 को जब इलाहाबाद हाईकोर्ट का फ़ैसला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो वहां भी इलाहाबाद हाई कोर्ट के फ़ैसले को तो ज़रूर बरक़रार रखा गया परन्तु इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बने रहने की इजाज़त दे दी गई। उसके बावजूद अपना पद खोने के भय से इंदिरा गाँधी ने 25 जून 1975 को आपातकाल की घोषणा कर डाली। हालाँकि कहा यह जाता है कि पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रॉय ने उस समय आपातकाल की घोषणा के निर्णय में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और आपातकाल का निर्णय दरअसल रॉय का ही निर्णय था।

केंद्र की एनडीए सरकार ने प्रत्येक वर्ष 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने सम्बन्धी अधिसूचना जारी की है। केंद्र सरकार की इस इस अधिसूचना के अनुसार '25 जून 1975 को आपातकाल की घोषणा की गई थी, उस समय की सरकार ने सत्ता का घोर दुरुपयोग किया था और भारत के लोगों पर ज़्यादतियां और अत्याचार किए लिहाज़ा हर साल 25 जून को देश उन लोगों के महान योगदान को याद करेगा, जिन्होंने 1975 के इमरजेंसी के अमानवीय दर्द को सहन किया था'। केंद्र सरकार द्वारा 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने के फ़ैसले को पूरी तरह राजनैतिक, द्वेषपूर्ण व रक्षात्मक कहना ग़लत नहीं होगा। क्योंकि केवल इंदिरा गांधी ही नहीं बल्कि मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी व राहुल गाँधी जैसे कांग्रेस के सर्वोच्च नेता इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि देश में 1975 में आपातकाल लगाने का फ़ैसला एक ग़लती थी। 12 जून, 1975 को जब इंदिरा गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रायबरेली में हुए चुनाव के दौरान की गई गड़बड़ी का दोषी पाया और छह साल के लिए पद से बेदख़ल कर दिया था। इलाहबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गाँधी का चुनाव निरस्त करते हुये अगले 6 वर्षों तक उनके चुनाव लड़ने पर भी रोक लगा दी थी। उसके बाद ही जयप्रकाश नारायण द्वारा इंदिरा गाँधी के इस्तीफ़े की मांग को लेकर 'संपूर्ण क्रांति' के नाम से राष्ट्व्यापी आंदोलन छेड़ दिया गया था और देश भर में प्रदर्शन शुरू हो गए थे। हालांकि 24 जून, 1975 को जब इलाहाबाद हाईकोर्ट का फ़ैसला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो वहां भी इलाहाबाद हाई कोर्ट के फ़ैसले को तो ज़रूर बरक़रार रखा गया परन्तु इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बने रहने की इजाज़त दे दी गई। उसके बावजूद अपना पद खोने के भय से इंदिरा गाँधी ने 25 जून 1975 को आपातकाल की घोषणा कर डाली। हालाँकि कहा यह जाता है कि पश्चिम बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रॉय ने उस समय आपातकाल की घोषणा के निर्णय में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और आपातकाल का निर्णय दरअसल रॉय का ही निर्णय था। रॉय के फ़ैसले पर ही इंदिरा गांधी ने हामी भरी और उन्हीं की सलाह पर उसे लागू भी किया। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी अपनी एक किताब में भी लिख चुके हैं कि 'वास्तव में इंदिरा गांधी ने मुझे बाद में बताया कि उन्हें आपातकाल की घोषणा के लिए संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी भी नहीं थी'।

अब यदि हम आपातकाल से ठीक पहले यानी 1974-75 के दौर को याद करें तो वह रेल आंदोलन,चक्काजाम,तालाबंदी और राष्ट्व्यापी धरने, प्रदर्शनों का दौर था। इसी दौरान 2 जनवरी 1975 को रेल मंत्री ललित नारायण मिश्रा की हत्या समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर उस समय कर दी गयी थी जब वे समस्तीपुर- दरभंगा ब्रॉड गेज रेलवे लाइन प्रारम्भ करने की घोषणा सम्बन्धी एक कार्यक्रम में वहां एक मंच पर मौजूद थे। यहां हुये एक शक्तिशाली बम विस्फ़ोट में वे गंभीर रूप से घायल हो गए बाद में अगले दिन दानापुर के रेलवे अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। कहा जाता है कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद देश की किसी सबसे बड़ी राजनैतिक हस्ती की यह दूसरी हत्या थी। इन्हीं विषम परिस्थितियों में 25 जून, 1975 को राष्ट्रपति फ़ख़रुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर भारतीय संविधान की धारा 352 के अधीन आपातकाल की घोषणा कर डाली। आपातकाल के दौरान चुनाव स्थगित हो गए थे तथा नागरिक अधिकारों को समाप्त करके मनमानी की गई थी। और हर छह महीने बाद 1977 तक आपातकाल की अवधि बढ़ाई जाती रही। प्रेस पर सेंसरशिप लग गयी थी। बाद में 18 जनवरी, 1977 को इंदिरा गांधी ने लोकसभा भंग करने और मार्च 77 में ही आम चुनाव कराये जाने की घोषणा करते हुये आपातकाल के दौर में जेलों में बंद किये गये सभी नेताओं को रिहा कर दिया। और 23 मार्च, 1977 को आपातकाल समाप्त करने की घोषणा कर दी गयी।

परन्तु सवाल तो यह है कि 50 वर्ष पूर्व के उस इतिहास को आज और इस समय खंगालने की ज़रुरत भाजपा को क्यों महसूस हुयी ? 2014 से सत्ता में रहते हुये पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार ने 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का फ़ैसला क्यों नहीं लिया ? और एक सवाल यह भी कि यदि देश की जनता आपातकाल से इतना ही दुखी थी और इंदिरा गांधी की तानाशाही से वास्तव में तंग आ चुकी थी तो उसी देश की जनता ने मात्र ढाई वर्ष बाद 1979 में इंदिरा गाँधी को पुनः सत्ता क्यों सौंपी? जिस दर्द को मुट्ठी भर भुक्तभोगी नेता शायद सिर्फ़ इसलिये याद कर रहे हैं कि 19 महीनों के मीसा काल में उन्हें जेलों में डाल दिया गया, कुछ पर अत्याचार किया गया,उनके निजी स्वतंत्र जीवन के ऐशो आराम को भांग किया गया, उसी दर्द को देश की जनता ढाई वर्षों में ही कैसे भुला बैठी ? बल्कि 1977 में लोकसभा चुनाव में पराजित होने के केवल एक वर्ष में ही नवंबर, 1978 में इंदिरा इंदिरा गांधी ने चिकमंगलूर लोकसभा उपचुनाव में 77,333 मतों के अंतर से जीत कर अपनी लोकप्रियता का लोहा मनवाया तो जब देश की जनता ने कांग्रेस के ऊपर 'आपातकाल का मतलब संविधान की हत्या' का लेबल नहीं चिपकाया तो भाजपा नेता आख़िर किस साज़िश के तहत सत्ता में आने के दस वर्षों बाद 50 वर्ष पुराने उस गड़े मुर्दे को उखाड़ रहे हैं जिसे देश भुला चुका है?

दरअसल भाजपा इस समय विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की 'संविधान बचाओ-देश बचाओ' मुहिम से घबराया हुआ है। उसे यह एहसास हो चुका है कि देश की जनता ने कई भाजपा नेताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से बोले जा रहे संविधान विरोधी बयानों को गंभीरता से लिया है और ऐसे कई उम्मीदवारों को पराजित भी किया है। विपक्ष की संविधान बचाओ की इसी सफल मुहिम ने भाजपा को 2019 में हासिल 303 सीटों से घटाकर 240 तक पहुंचा दिया है। इसी चुनाव परिणाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने तीसरे कार्यकाल में संसद में प्रवेश के पहले ही दिन संविधान को माथे से लगाने का 'प्रदर्शन' करने पर मजबूर किया। आपातकाल का एक पक्ष यह भी कि उस दौरान देश के सभी सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों की समय पर हाज़िरी हो रही थी। ट्रेनें, बसें सब समयानुसार सुचारु रूप से संचालित हो रही थीं। आम जनता को इससे लाभ मिल रहा था। इन सबके बावजूद जब कांग्रेस के सभी आला नेताओं ने आपातकाल के अपने ही फ़ैसले को ग़लत स्वीकार कर लिया फिर इस बहस को तो बंद हो जाना चाहिये? परन्तु अपने ऊपर लग चुके संविधान विरोधी होने के आरोपों से बचने के लिये भाजपा 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का फ़ैसला लेने सम्बन्धी अधिसूचना जारी कर व इस पर विमर्श कर केवल गड़े मुर्दे उखाड़ने की कोशिश कर रही है।

राजनीति

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक पत्रकार हैं।

राजस्थान भाजपा में उठने लगे बगावत के स्वर

लोकसभा चुनाव के बाद राजस्थान भाजपा में जमकर उठा पटक मची हुई है जो भविष्य में आने वाले तूफान के संकेत दे रही है। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने सरकारी गाड़ी व अन्य सरकारी सुविधाएं भी लौटा दी है। यहां तक की डॉ. किरोड़ी लाल मीणा बजट सत्र में भी विधानसभा में नहीं आने की घोषणा कर चुके हैं। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा भाजपा के कद्दावर नेता हैं और राजस्थान में संघर्ष के प्रतीक रहे हैं। सरकार में हो या विपक्ष में वह अपनी बात पूरी मुखरता से रखने के लिए जाने जाते हैं।

डॉ. किरोडी लाल मीणा मंत्रिमंडल के गठन के वक्त से ही नाराज बताए जा रहे हैं। मंत्रिमंडल के गठन के वक्त उन्हें उनकी वरिष्ठता के अनुरूप महत्व नहीं मिला था। जिसके चलते वह अंदर खाने नाराज चल रहे थे। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद उन्होंने खुलकर अपनी नाराजगी का इजहार कर दिया। डॉ. किरोडी लाल मीणा दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात कर चुके हैं। उसके उपरांत भी उन्होंने अपना मंत्री पद से इस्तीफा वापस नहीं लिया है। कहने को तो भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी कहते हैं कि किरोड़ी लाल मीणा पार्टी से नाराज नहीं है और वह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के संपर्क में है। मगर हकीकत में ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। बजट सत्र में भी विधानसभा नहीं आकर डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने अपनी नाराजगी खुलकर जता दी है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया अपने उपेक्षा से पहले से ही दुखी है। गाहे बेगाहे अपनी नाराजगी जाहिर करती रहती है। विधानसभा में भी वसुंधरा समर्थक विधायक सरकार को जमकर घेर रहे हैं। विधानसभा चुनाव के बाद वसुंधरा राजे को पूरी आशा थी कि उन्हें तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। मगर जिस प्रकार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जेब से पर्ची निकाल कर वसुंधरा राजे से नए मुख्यमंत्री के लिए भजनलाल शर्मा के नाम की घोषणा करवाई। उससे वसुंधरा राजे की आम जनता में काफी फजीयत हुई थी। जिसे वसुंधरा अभी तक भूल नहीं पाई है।

लोकसभा चुनाव में प्रदेश की 11 सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों की हार से जहां केंद्र में भाजपा कमजोर हुई है वही राजस्थान में तो भाजपा सरकार के मुखिया भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी सहित अन्य सभी अग्रिम पंक्ति के नेताओं की जमकर किरकिरी हुई है। केंद्र सरकार में तीसरी बार मंत्री बने अर्जुन राम मेघवाल बीकानेर लोक सभा सीट से महज 55711 वोटो के अंतर से जीत सके हैं। जबकि 2019 में वह 264081 व 2014 के चुनाव में 308079 वोटो के अंतर से चुनाव जीते थे। इस तरह देखे तो इस बार अर्जुन राम मेघवाल ने बहुत ही मुश्किल से चुनाव जीता है। जबकि उनके पड़ोस की श्रीगंगानगर, चुरु, झुंझनू, सीकर सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों की हार हुई है।

इसी तरह तीसरी बार केंद्र सरकार में मंत्री बने गजेंद्र सिंह शेखावत की स्थिति भी कोई बेहतर नहीं रही है। उन्होंने कांग्रेस के अनजान से प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा को 115677 वोटों से हराया है। जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने तब के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को 274440 वोटो से व 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की कैबिनेट मंत्री चंद्रेश कुमारी कटोच को 303464 वोटों से चुनाव हराया था। इस बार के चुनाव में गजेंद्र सिंह का प्रभाव भी कम हुआ है। गजेंद्र सिंह के पड़ोस की बाड़मेर-जैसलमेर, नागौर, सीट पर भाजपा चुनाव हार गई है। जबकि पिछली बार यह सभी सीट भाजपा के पास थी। गजेंद्र सिंह शेखावत का शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ से चुनाव पूर्व हुआ विवाद भी खास सुर्खियों में रहा था। बाड़मेर-जैसलमेर सीट पर तो भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी तीसरे स्थान पर रहें थे। उन्हें मात्र 16.99 प्रतिशत यानि 286833 वोट ही मिल पाए थे। जबकि 2019 का चुनाव कैलाश चौधरी ने 323808 वोटो से जीता था। तब उन्हें 846526 वोट मिले थे।

लोकसभा चुनाव में चूरू सीट पर भाजपा सांसद राहुल कस्वां का टिकट काटे जाने से जाटों में भाजपा के प्रति काफी नाराजगी व्याप्त हो गई थी। जिसका खामियाजा उन्हें जाट बहुल अधिकांश सीटों पर हार कर चुकाना पड़ा था। पिछली बार भाजपा के पांच सांसद जाट वर्ग से थे। जबकि अबकी बार अजमेर से भागीरथ चौधरी जीत पाए हैं। लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी अपने पुत्र के झालावाड़ संसदीय क्षेत्र तक ही सीमित रही थी। उन्हें स्टार प्रचारकों की सूची में तो शामिल किया गया था। मगर चुनाव प्रचार के लिए कहीं नहीं भेजा गया। सीकर से दो बार भाजपा सांसद रहकर पिछला चुनाव हार चुके स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने खुलकर कहा है कि यदि वसुंधरा राजे से चुनाव प्रचार करवाया जाता तो नतीजे हटकर मिल सकते थे।

झुंझुनू से भाजपा टिकट पर चुनाव में पराजित हुए शुभकरण चौधरी ने अपनी हार का कारण अग्निवीर योजना को बताया था। भाजपा के बहुत से नेताओं का मानना है कि राजस्थान से सेना में सर्वाधिक नवयुवक भर्ती होते हैं। अग्निवीर योजना आने के बाद राजस्थान के युवाओं में खासी नाराजगी व्याप्त हो रही है। कांग्रेस ने वायदा किया था कि उनकी सरकार बनने पर अग्निवीर योजना बंद कर देगी। इससे बड़ी संख्या में नवयुवकों ने भाजपा के खिलाफ मतदान किया। चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं भी सभी 25 संसदीय सीटों पर प्रचार के लिए नहीं पहुंच सक थे। मुख्यमंत्री स्वयं चुनाव के दौरान व्यवस्थित ढंग से चुनाव प्रचार नहीं कर सके। इसी के चलते अपने गृह जिले भरतपुर की लोकसभा सीट भी हार गए। कोटा जैसी भाजपा की मजबूत सीट पर भी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इस बार महज 41974 वोटों के अंतर से ही जीते हैं। जबकि पहले के चुनाव में उनकी जीत का अंतर लाखों वोटों में होता रहा था।

राजस्थान में भाजपा की सरकार बने सात महीने से अधिक का समय हो चुका है। मगर अभी भी सरकार पर मंत्रियों की पकड़ नहीं बन पाई है। अधिकारी वर्ग मंत्रियों की बातों को अधिक तवज्जो नहीं देते हैं। जिसके चलते मंत्रियों द्वारा आम जनता मे की गई घोषणाएं पूरी नहीं होने से उनकी स्थिति हास्यास्पद पद बन जाती है। अभी राजस्थान में मुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष एक ही जाती के हैं। विभिन्न निगम, बोर्ड, आयोग, मण्डलों में भी अभी तक या तो पीटे हुए मोहरों को या अधिकारियों को ही नियुक्ति दी गई है। जमीन पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं मिल पाई है। मुख्यमंत्री के इर्द-गिर्द वही चौकड़ी रहती है जो उनके प्रदेश महामंत्री रहते उनके साथ रहती थी। इससे आम जनता में सरकार की छवि खराब हो रही है।

अगले कुछ महीनों में प्रदेश की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। पांच में से भाजपा के पास एक भी सीट नहीं थी। लेकिन यदि भाजपा इन पांच सीटों को फिर से हार जाती है तो मुख्यमंत्री की नकारात्मक छवी बनेगी। इसलिए सरकार के समक्ष सभी पांच विधानसभा सीटों के उपचुनाव में जीतना एक मजबूत चुनौती बन गई है। भाजपा यदि पांचों सीटों पर उपचुनाव में जीत जाती है तो लोकसभा चुनाव की हार का गम कुछ कम होगा। वरना आने वाले समय में पार्टी आलाकमान द्वारा राजस्थान को लेकर कई बड़े निर्णय किए जाने की संभावना व्यक्त की जाने लगी है।

कटाक्ष

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

ईमानदारी सब ऊपर, भ्रष्टतंत्र नीचे

बे वक्त का भी वक्त आता है। तब भाव बढ़ जाता है। किसी का भाव गिर भी जाता है। नेता से ज्यादा कोई नहीं गिर सकता। गिरे हुए लोग रीढ़ विहीन होते हैं। वह घिसट कर चलते हैं। किसी का भी तलवा चाट लेते हैं। काम पड़ने पर गधे को भी बाप मान लेते हैं। दाएं-बाएं देख मुंह से गुह कर देते हैं। समाज में उल्टी

हेतु जन्मसिद्ध अधिकृत हैं। बस काम सिद्ध होना चाहिए।

आजकल सब्जियों के आसमान छूते दाम हैं। जिन्हें आम आदमी सुन ले तो दिल धक -धक और बीपी बढ़ जाता है। लाल टमाटर ऊँचे दाम से और लाल हो रहा है। हरी सब्जियाँ थाली से गायब ही हैं। अब उनके भी रंग नहीं मिल रहे हैं। आम आदमी का रसोईघर सब्जियों से महरूम हैं। सब्जियों का भाव सातवें आसमान पर हैं और आम आदमी का पैर जमीन पर ही टिका है। फिर फेवरिट सब्जी से मुलाक़ात संभव नहीं। धरती और आसमान का इश्क होने से रहा। आम आदमी गा भी रहा है... ये इश्क नहीं आँसा..।

लौकी पालक गोभी धनिया भिंडी, सबके भाव चढ़े हैं मंडी। सब फलों को दरकिनार कर दिए हैं। फलो का राजा आम भी खुद को आम ही समझ लिया है। सब्जियों के भाव खाने का मौसम है। उनके लिए बारिश का मौसम सुहाना है। पुलों के लिए आत्महत्या का बहाना है। भ्रष्टाचार का अचार डाला गया है। इंजीनिरिंग किए साहब की डिग्री पर भी संशय है। रेत छड़ और सीमेंट का सटीक मिश्रण तो बिना पढ़ा-लिखा राजगीर मिस्त्री भी बना देता है, लेकिन क्या मजाल घर गिर जाए। बहरहाल, पढ़े-लिखे इंजीनियर साहब के मानक पर बनने पर पुल ढह जाता है। उनका बंगला कभी नहीं ढहता है। देश में ढहना पुल की नियति है। सड़कों में गड्ढे होने से नज़र नहीं लगती है। बस गाड़ी हिचकोले खाकर सुलाती है। वो भी मौत की अच्छी नींद। डॉक्टर भी भरपूर नींद की सलाह देते हैं। आदमी को अनिद्रा की बीमारी है। बीमारी दूर करना सड़क की निशानी है।

लोकतंत्र में जिम्मेदारी है। हर चीज़ की पहरेदारी है।फिर भी पेपर लिक हो जाता है। इसलिए बेरोजगारी है। सरकार पारदर्शिता लाती है। आर - पार दिख जाती है।आजकल के चमत्कार दिखाते बाबा और पहुंचा देते बड़े आराम से काबा। बाबा भी आजकल धन पाकर धन्यवाद कर रहे हैं। लोकतंत्र का तंत्र आजकल भक्ति का मंत्र पढ़ रहा है। सत्संग में मरेगा,पुल गिरेगा, छत गिरेगा, महंगाई बम फूटेगा और विरोध पर कुटेगा। आटा और डाटा सब महंगा और आम आदमी पहन कर नाचे लहंगा। घुन अनाज को धीरे-धीरे घुनता है। लोकतंत्र में घुन नहीं लगना चाहिए। उसकी जिम्मेदारी कोई लेने वाला है। यह उत्तर कौन देगा पुत्तर? संस्कार भी कोई चीज़ है। देशभक्ति की शक्ति है। भगवान की शक्ति है, फिर भी भ्रष्टाचार का अचार पड़ जा रहा है।इसीलिए ईमानदारी सब ऊपर और घुनता भ्रष्टतंत्र नीचे।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक पत्रकार हैं।

रामलौटन! बीबी का डाटा भराएं या रसोई का आटा?

रामलौटन बेचारे परेशान हैं भौजाई के मोबाइल रिचार्ज से। अभी तक वे घर के आटा-दाल से परेशान थे। महंगाई उनका पीछा नहीं छोड़ रहीं है। अब आटा -दाल के साथ मोबाइल रिचार्ज भी महंगा हो गया है। पहले तो मुफ़्त में डाटा की लत लगाई गई अब जेब काटने पर उतारू हैं। उधर भौजाई का रिचार्ज खत्म हो गया है उसे भी रिचार्ज कराने का फरमान आ गया है। भौजाई किचन में कड़क चाय की चुस्कीयां हलक से नीचे उतारते हुए आवाज दी, अजी सुनते हो। अरे! महाराज, कभी-कभी आटे-दाल की फ़िक्र के साथ हमारे डाटा की भी चिंता कर लिया करो।

अरे डाटाजीवी महारानी आपको जितनी डाटा बचत कि फ़िक्र रहती है उतनी आटे-दाल की नहीं। आटा -दाल से बेहतर तो आप अपने मोबाइल डाटे का हिसाब रखते हैं। उतना ख्याल तो मेरा भी नहीं रखती हैं। वाई-फाई कनेक्ट माँगने पर मुंह फेर लेती हैं। जैसे मैं डाटा नहीं आपकी अमूल्य निधि मांग रहा हूँ। काश ! इतना ख्याल मेरा भी रखती।

अब क्या बताएं मोहतरमा यह डाटा न होकर जैसे कोई माशूका है। मोबाइल कंपनियां भी कम थोड़ी हैं। डाटा खपत का संदेश रात-दिन भेजती हैं। जैसे यह कोई मोबाइल डाटा न होकर निगरानी में रखी गयी कोई माशूका हो। आप ठीक फरमाती हैं मोबाइल कंपनियां ग्राहक को डाटा सतर्कता को लेकर जितना संदेश भेजती हैं उतना मैसेज तो को कोई नयी नबेली माशूका भी अपने आशिक को नहीं भेजती होगी। बेचारी मोबाइल कंपनियां डाटाजीवियों और उनकी जेब का कितना ख्याल रखती हैं। इस घोर कलयुग में इतना भला कौन परोपकारी होगा।

जी! आप ठीक कहते हैं जनाब ! इतनी फ़िक्र तो आपने उस वक्त भी मेरी नहीं कि थीं जब नयी-नयी शादी के बाद मुझे हनीमून पर ले गए थे। मोहतरमा की बात सुनकर रामलौटन ने अपनी खींसें निपोर दी और हें-हें-हें करने लगे। मोहतरमा अब हम क्या बताएं इनकी ख्याली का मैं शुक्रगुजार हूँ। रात आधी हो या फिर बात बाकी हो उस दरमियां भी एक प्यारा सा संदेश मोबाइल के मैसेज बॉक्स में गूंज उठता है।

...आपने अपने दैनिक डाटा का उपयोग सौ फीसदी खर्च कर लिया है। अगले दिन आपका दैनिक हाईस्पीड डेटा फिर बहाल हो जाएगा। अधिक जानकारी के लिए अपने डेटा कोटा के लिंक पर क्लिक करें...। मोहतरमा उस वक्त मेरी सारी खुशी ख़ाफ़ूर हो जाती है और आटे-दाल का भाव मालूम पड़ जाता है। उन्हें पता ही नहीं होता है कि अभी मुझे डीपी भी बदलनी है और ईडी भी देखनी है।

मोहतरमा ! मैं आपसे गुजारिश करता हूँ कि आप रोज का खाना तैयार करने से पहले मुट्ठी भर दाल, चावल और आटे निकाल कर रख दिया करें। हमारी अम्मा ऐसा करती थीं जिसकी वजह से दस दिन चलने वाला राशन पांच दिन और चल जाता था। कम से कम टैक्स वाले मौसम की घनघोर बारिश से बचने का यह सबसे सरल-तरल और नरम तरीका है। वाह रे डाटाजीवी! आपको मालूम है कि नहीं, आपके अम्मा के जमाने में सीबीआई और ईडी नहीं थीं। अरे भग्यान इस नेक सलाह में भी विपक्ष की तरह ईडी और सीबीआई को क्यों घुसेड़ रही हो। लगता है आप भी विपक्ष के साथ मिली हैं...ना बाबा ना, ऐसा हम कत्तई नहीं कर सकते। जानबुझ कर आ बैल मुझे मार कि स्थिति क्यों पैदा करूँ।

डाटाजीवी जी, आपको पता होना चाहिए जमाखोरी और घूसखोरी के खिलाफ ईडी बेहद सख्त है। पड़ोसियों से अपन की जमती नहीं है। आपको पहले से मालूम है कि यहाँ पडोसी कम विपक्ष के नेता अधिक हैं। पता नहीं राशन की जमाखोरी की शिकायत कब ईडी तक पंहुच जाए। जनाब! फिर तो छापेमारी से मुश्किल बढ़ जाएगी। आपकी इनकम तो बमुश्किल आटे-दाल की है। आप इनकम टैक्सपेयी भी नहीं हैं। फिर ईडी के सवालों का जबाब हमारे पास क्या होगा। अगर उन्होंने ने पूछ दिया कि दस दिन के राशन में आप 15 दिन रसोई का खर्च कैसे चलाती हैं। आय से अधिक राशन आपने कहां से जमा किया है। यह सीधे-सीधे जमाखोरी है। आपको जेल जाना ही होगा। मोहतरमा के तर्क से मैं बिचलित हो चला था और मेरा कलेजा काँप गया था। डाटा के बजाय अब हमें आटे-दाल का भाव मालूम पड़ गया था।

शिक्षा

श्याम कुमार कोलारे

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

सरकारी स्कूल की बदहाली और शिक्षा पर सवाल

बच्चे हमारे कल की तस्वीर है, आज हम उनके जीवन में जैसे रंग भरेंगे भविष्य में वैसी ही उनकी एक परिपक्य तस्वीर नजर आयेगी। बच्चों का उन्नत पालन-पोषण एवं उनकी शिक्षा उनका भविष्य निर्माण करती है। घर में बच्चों को जीवन कौशल, संस्कार, और सामाजिक एवं भावनात्मक विकास की शिक्षा मिलती है। समाज, दोस्त, पड़ोस बच्चों को बाहरी ज्ञान एवं सामाजिकता सीखता है। इसके आलावा स्कूल ऐसा स्थान है जहाँ बच्चों को मानसिक रूप से सशक्त करने एवं जीवन कौशल का ज्ञान दिया जाता है। किसी भी बच्चे का व्यक्तित्व निखारने और उसका भविष्य संवारने में स्कूल की भूमिका सर्वाधिक होती है। स्कूल एक ऐसी जगह है, जहां बच्चों का सामाजिक विकास तेजी से होता है। हमउम्र बच्चों के साथ वे घुलमिलकर चीजों को बेहतर तरीके से समझते हैं। वैसे तो समाजीकरण के मामले में घर को सबसे बड़ा स्कूल माना जाता है। जहां पर बच्चा प्राथमिक स्तर पर सबकुछ सीखने लगता है, लेकिन इसके बाद स्कूल उसे ऐसे प्लेटफॉर्म के रूप में मिलता है, जिसके जरिए उसका विकास होता है।

आइए हम स्कूल की भूमिका को समझें। स्कूल बच्चों को सीखने, समझने एवं मानसिक विकास के लिए बुनियाद होता है; और शिक्षक इस बुनियाद के श्रेजेता होते है। स्कूल बच्चों के जीवन की एक ऐसी कड़ी है जिसमे बच्चे अपने जीवन का ताना-बाना बुनने के गुर सीखते है। स्कूल के शिक्षक इस बच्चे रूपी कच्चे मिट्टी को सही आकार देकर उसे ससक्त करने में अपनी भूमिका निभाते है। इसीलिए तो शिक्षक को राष्ट्र निर्माता कहा जाता है। विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में शिक्षक का एक महत्वपूर्ण योगदान होता है साथ ही स्कूल एवं परिसर भी बच्चों के सीखने में अपना एक विशेष योगदान होता है। स्कूल के बुनियादी संसाधन एवं सुविधाओं का होना एवं इसका समुचित उपयोग बच्चों की पढ़ाई एवं सीख को और प्रगाढ़ करने में मदद करता है। सर्व शिक्षा अभियान ने स्कूल में लगभग सभी बच्चों का नामांकन करने में सफलता पाई है, परन्तु स्कूल में बच्चों की उपस्थिति अभी भी एक बहुत बड़ी चुनौती है।

एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (असर 2022) के अनुसार देश के सरकारी प्राथमिक स्कूल में बच्चों की उपस्थिति 72.9 प्रतिशत थी वहीं सरकारी माध्यमिक स्कूल का यह अनुपात 71.1 प्रतिशत था। मध्यप्रदेश जैसे बड़े राज्यों में बच्चों की स्कूलों में स्थित बदहाल बनी हुई है, असर 2022 रिपोर्ट के अनुसार सरकारी प्राथमिक स्कूलों में बच्चों की कुल उपस्थित मात्र 57.1 प्रतिशत थी वही सरकारी माध्यमिक स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति 55.9 प्रतिशत रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या बच्चों का नामांकन कर देने से सरकार की जिम्मेदारी पूरी हो जाती है। क्या बच्चों की स्कूलों में उपस्थिति एक मुद्दा नही होना चाहिए। जब 40 प्रतिशत से अधिक बच्चे स्कूल में अपनी उपस्थिति नियमित नहीं दे पा रहे है, तो वह सीखेंगे क्या? क्या इसकी ओर सरकारों, अभिभावकों एवं शिक्षा पर काम करने वाले तमाम शिक्षाविदों एवं संस्थाओं का ध्यान है? कि बच्चों का नामांकन तो हो गया परंतु उनकी उपस्थिति कैसे सुनिश्चित करें। स्कूल में बच्चों का ठहराव एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह एक सामाजिक मुद्दा होना चाहिए द्य स्कूल में पढ़ाने के लिए शिक्षक तो है परन्तु उनके एवज में बच्चे नहीं है, या बच्चे तो है परन्तु बच्चों के एवज में पढ़ाने वाले शिक्षक नहीं है ऐसी समस्या से जूझता ग्रामीण भारत एक सुनहरा भविष्य का सपना देख रहा है कि पता नहीं वो दिन कब आयेगा जब बच्चा स्कूल में होगें और अच्छे से सीखेगें। भारत की 70 प्रतिशत से अधिक की आबादी गाँव में बसती है, देश का सबसे बड़ा तबका आज भी पूर्ण शिक्षा से जुड़ नहीं पाया है, सरकारों से भरसक प्रयास के बाद भी दूरस्त ग्रामीण इलाकों में सभी बच्चों को उनके स्तर के अनुसार शिक्षा से जोड़ना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है।

ग्रामीण क्षेत्रों को शिक्षित किये बगैर हम देश के उज्वल भविष्य की कामना नहीं कर सकते; इसलिए ग्रामीण एवं दूरस्त क्षेत्रों में शिक्षा, और ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्कूल का नजारा कभी देखने जाएंगे तो कुछ

स्कूल ऐसे भी मिल जायेंगे जिसमे बच्चों के बैठने के लिए साफ-सुथरी फर्स भी मिल जाए वह बच्चों का भाग्य है। स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं का आभाव, शिक्षकों की उदासीनता को और भी बढ़ावा देती है। भारत जैसे विकासशील देश में सरकारी स्कूल की बदहाली देश विकास की गति को धीमा कर सकती है। सरकार के 'स्कूल चलें हम' का नारा आज गांव-गांव एवं शहरों तक गूँज रहा है। शिक्षा व्यवस्था में शहर के बच्चों निजी स्कूल के सहारे आगे बढ़ते नजर आते है। हम सब देख सकते है कि सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षक भी अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ने पहुँचाते है, आखिर क्यों? क्योकि उन शिक्षकों को सरकारी स्कूलों की स्थिति पता है, यहां वो बात नही है जो इन्हें सच में चाहिए। जब तक सभी स्कूल गुणवत्तायुक्त शिक्षा की गारंटी न ले तब तक ऐसे अभियानों का कोई अर्थ नहीं है। शिक्षा की गारंटी कागजों और प्रमाण पत्रों में नहीं वास्तविक होनी चाहिए तब ही शिक्षा का सही मायना नजर आयेगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों का एक मात्र सहारा यही सरकारी स्कूल ही है जिससे बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जा रहा है। परन्तु गाँव के ये स्कूल अपनी बदहाली से स्वयं मुँह चिढ़ाते नजर आ रहे है। सरकारी स्कूलों को सरकारी मानकर गाँव वाले इसका जमकर उपयोग करते है, चाहे अपने व्यक्तिगत कामों के लिए उपयोग या समूहकार्य के लिए स्कूलों का उपयोग, यह सब इसको अपनी निजी संपत्ति मानकर उसका जमकर दोहन करते है। स्कूल परिशर जहाँ बाउंड्रीबाल नहीं है मानों वह परिसर लोगों के उपयोग के लिए मुफ्त का स्थान हो गया। सरकार द्वारा दिया जाने वाली बच्चों की वर्दी की गुणवत्ता, उसका नाप, आदि की बात करे तो 1-2 महीने में ही तार-तार दिखने लगते है। मध्यान भोजन में सब्जी, रोटी अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता बच्चों के पोषण पर प्रश्नचिन्ह है? बरसात होते ही स्कूल परीसर में पानी, कमरों में पानी, कमरों की छतों से रिसता पानी, पानी के काली हुई दीवारें और परिसर में उगी घास, नंगे पैर दौड़ते नन्हे बच्चें के लिए स्कूल उसको मन पसंद जगह बनने के बजाए उदासीन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ता। गर्मी में पसीना से नहाते बच्चों की भीगी वर्दी एवं गर्मी से झुलसता चेहरा उसकी मासूमियत सरकारी स्कूलों को मुंह चिढ़ाती नजर आती है।

मैं सरकार में साथ-साथ उदासीन अभिभावक, शिक्षकों, एवं शिक्षा कार्य करने वालों निति निर्धारकों के ध्यान; बच्चों की उपस्थिति एवं सरकारी स्कूलों की दुर्दशा और बदहाल स्थिति की और ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ कि निःशुल्क एवं बाल शिक्षा का अधिकार परीक्षा में उत्तीर्ण का प्रमाण-पत्र बांटकर शिक्षित घोषित न करके वास्तविकता में बच्चों की शिक्षित करने की ओर जोर देना आवश्यक है। हर स्कूल को शिक्षक एवं हर शिक्षक को पढ़ाने हेतु बच्चे मिले दोनों अपना दायित्व पूर्ण करें। शिक्षकों के साथ अभिभावकों का भी सकारात्मक सहयोग रहे जिससे शिक्षा का रूपी प्रकार सभी तक पहुँच सके।

सरोकार

डॉ. चन्दर सोनाने

लेखक मप्र जनसंपर्क विभाग के पूर्व अधिकारी हैं।

19 दिन में 13 पुल-पुलियाओं का गिरना क्या संकेत है?

भ्रष्टाचार का उदाहरण केवल बिहार राज्य में ही देखने को आ रहा है, ऐसा नहीं है। उत्तरप्रदेश में श्रीराम मंदिर के भव्य शुभारंभ को एक साल भी नहीं हुआ की पहली बारिश में मंदिर के शिखर से पानी टपकने लगा। यही नहीं राम वन पथ गमन मार्ग को बने भी एक साल भी नहीं हुआ कि वह भी पहली बारिश में ही अनेक जगह से दरकने, टूटने और धँसने लगा। यह भ्रष्टाचार का उत्तरप्रदेश का उदाहरण है। राजनीति, ठेकेदारों और अधिकारियों के भ्रष्ट गठजोड़ ने राम को भी नहीं छोड़ा !

देश का बिहार राज्य अनेक मामले में अजब-गजब है ! राज्य में पिछले माह उसे एक और तमगा मिल गया। पिछले माह 18 जून से 7 जुलाई तक मात्र 19 दिन में 13 पुल-पुलियाएँ ध्वस्त हो गई। इतने कम समय में रिकॉर्ड पुल-पुलियाओं का गिरना क्या देशवासियों को ये संदेश है कि अब भ्रष्टाचार ही शिष्टाचार हो गया है! अब गुणवत्ता की बात करना बेकार है। राजनीति, ठेकेदार और अधिकारियों के अपवित्र गठबंधन ने हर तरह के निर्माण में गुणवत्ता की धज्जियाँ उड़ा दी है।

भ्रष्टाचार का उदाहरण केवल बिहार राज्य में ही देखने को आ रहा है, ऐसा नहीं है। उत्तरप्रदेश में श्रीराम मंदिर के भव्य शुभारंभ को एक साल भी नहीं हुआ की पहली बारिश में मंदिर के शिखर से पानी टपकने लगा। यही नहीं राम वन पथ गमन मार्ग को बने भी एक साल भी नहीं हुआ कि वह भी पहली बारिश में ही अनेक जगह से दरकने, टूटने और धँसने लगा। यह भ्रष्टाचार का उत्तरप्रदेश का उदाहरण है। राजनीति, ठेकेदारों और अधिकारियों के भ्रष्ट गठजोड़ ने राम को भी नहीं छोड़ा !

मध्यप्रदेश की बात करें, तो हाल ही में पिछले दिनों शिवपुरी जिले में बनी सड़क भी पहली बारिश में ही जगह-जगह से उखड़ने लगी। अफसर लिपापोती में लग गए। बिहार, उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश के उदाहरण केवल एक बानगी है। कमोबेश हर राज्य में यही हालत है कहीं कम तो कहीं ज्यादा। चारों ओर

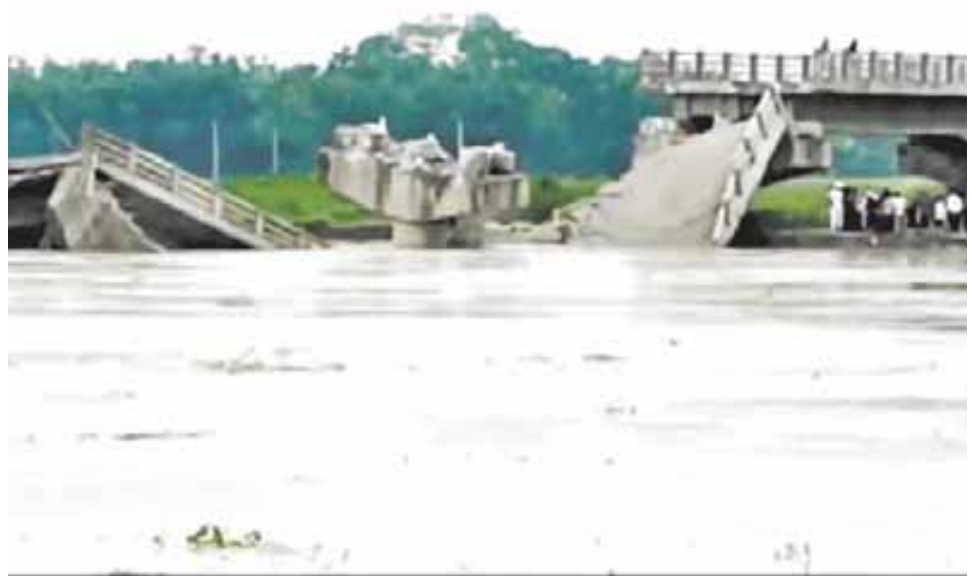

भ्रष्टाचार का नंगा तांडव हो रहा है। कोई देखने वाला नहीं है। जैसा की अक्सर होता है बिहार में 19 दिनों में 13 पुल-पुलियाओं के ध्वस्त होने पर वहाँ की नीतीश सरकार ने 15 इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया। किन्तु ठेकेदारों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई और ना ही किसी तरह की किसी के विरूद्ध कोई एफआईआर दर्ज की गई। बिहारवासियों और गैर बिहारवासियों के मन में डर सा जरूर बैठ गया है। उनके मन में ये लगने लगा है कि बिहार से गुजरना खतरे से खाली नहीं है। न जाने कब कौन सा पुल या पुलिया ध्वस्त हो जाए और उनकी यात्रा अंतिम यात्रा में बदल जाए !

हम केवल बिहार की बात करें तो यह पहली बार नहीं है कि वहाँ पहली बार पुल या पुलिया गिरी या ध्वस्त हुई है। पहले भी राज्य में ऐसी घटनाएँ हो चुकी है। अलबत्ता बिहार में जो पुल गिरे हैं, वो तो बाल्यावस्था से लेकर जवानी में ही दम तोड़ रहे हैं। ऐसी इक्का-दुक्का घटनाएँ पहले भी होती रही हैं, लेकिन पुल ध्वस्तीकरण का यह अटूट सिलसिला राज्य में पिछले माह 18 जून से शुरू हुआ, जहाँ 7 जुलाई तक 13 पुल दम तोड़ चुके थे। टूटने वाली तेरहवीं एक पुलिया है। इस क्रम में गिरने वाला पहला पुल राज्य के अररिया जिले के सिकटी प्रखंड में था। इसके भी पहले इसी साल मार्च के महीने में सुपौल जिले में कोसी नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिरा था। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई थी, जबकि 10 अन्य घायल हुए थे। इसी तरह बिहार में पिछले साल गंगा नदी पर बन रहे पुल का एक हिस्सा गिर गया था। यह पुल क़रीब 1 हजार 717 करोड़ की लागत से भागलपुर जिले के सुल्तानगंज और खगड़िया जिले के अगुवानी नाम की जगह के बीच बन रहा था।

पुल ध्वस्तीकरण की बात करें तो आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक भारत में 2012 से 2022 के बीच 285 पुल ध्वस्त हो गए। इसमें 2022 में गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बना पुल टूटने से 141 लोगों की मौत का भीषण हादसा भी शामिल है। पुल-पुलियाओं के टूटने से भ्रष्ट तंत्र को कोई फर्क नहीं पड़ता। फर्क पड़ता है तो आमजन को। वे पुल-पुलिया के टूट जाने पर कैसे जान जोखिम में डालकर उसे पार करते है ये वे ही जानते हैं!

ऐसा ही कब तक चलता रहेगा? बिहार में 19 दिनों में 13 पुल-पुलियाओं के ध्वस्त होने से क्या यह संकेत नहीं मिलता है कि अब निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की बात करना फिजुल है! पुल-पुलिया हो या सड़क या अन्य कोई भवन निर्माण कार्य सभी में राजनीति, ठेकेदार और अधिकारियों का अटूट गठबंधन है। क्या यह गठबंधन टूटेगा ? कोई इसे तोड़ पायेगा? या ऐसा ही भ्रष्टाचार का नंगा नाच चलता रहेगा। आज ऐसे ही यक्ष प्रश्न हर किसी के मन में उमड़-घुमड़ रहे हैं।

आज विश्व सर्प दिवस

डॉ. तेज प्रकाश पूर्णानंद व्यास

(अंतरराष्ट्रीय प्रकृति निधि संरक्षण संघ, ग्लैंड स्विट्जरलैंड की ओर से भारतीय उप महाद्वीप के उभयचर सरीसृप वैज्ञानिक)

केवल चार प्रजाति के सांप ही विषैले होते हैं

भारत में 270 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं , इनमें से चार प्रजातियों के विष मानव शरीर के विरुद्ध कार्य करते हैं। विषैले सर्प दंश होने पर तत्काल दंशित मानव को प्रतिविष चिकित्सा मिल जाती हैं, तो जीवन 100 प्रतिशत सुरक्षित हो जाता है। वैकल्पिक चिकित्सा में समय गंवाना जीवन गंवाना है। विषैले कुख्यात 'बिग फोर' भी शामिल हैं - इंडियन ब्लैक या स्पेक्टेल्ड कोबरा, इंडियन कॉमन क्रेट, इंडियन रसेल वाइपर और इंडियन सॉ-स्केल्ड वाइपर।

रिपोर्टों का अनुमान है कि भारत में हर साल साँपों के काटने से औसतन 50 हजार हजार मौतें होती हैं, जिनमें से सबसे ज़्यादा मृत्यु 'बिग फोर' के कारण होती हैं। इन प्रजातियों के काटने पर तत्काल प्रति विष चिकित्सा की आवश्यकता होती है।

भारतीय चश्माधारी कोबराः फन पर एक विशिष्ट निशान के कारण, भारतीय कोबरा को स्पेक्टेक्लेड कोबरा (नाजा नाजा) कहा जाता है। यह पसलियां मसल्स के साथ फैलकर फन का स्वरूप धारण कर लेता है। अधिकतम 1.5 मीटर तक की लंबाई तक बढ़ने की क्षमता के साथ,यह प्रजाति शरीर के विभिन्न रंगों को प्रदर्शित करती है। जब खतरा या उकसाया जाता है तो सांप अपना विशिष्ट फन दिखाता है, साथ ही फुफकार की आवाज भी निकालता है। इसके ऊपरी जबड़े में दो खोखले, छोटे नुकीले दांत लगे होते हैं, जो शिकार में जहर छोड़ते हैं। गंध और दृष्टि की अपनी जबरदस्त समझ के कारण, यह आसानी से अपने शिकार चूहे छिपकली को पकड़ लेता है। जन्म जात शिशु कोबरा का दंश भी जानलेवा होता है। प्रतिविष चिकित्सा ही है ,एक मात्र जीवन रक्षक।

सावधानियां: इनकी सिर की हड्डियां और शरीर की पसलियां को फैलाकर डेढ़ दो इंच की गैप में अपना शरीर दरवाजे से आवास में प्रवेश कर सकते हैं। कोबरा न्यूरोटॉक्सिक है, याने इसका दंश मानव के मस्तिष्क एवम तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। सभी सांपों में वृक्ष पर चढ़ने की अदम्य क्षमता होती है।

गांवों में घर की मोरियों में जो पाइप बाहर निकला होता है, उसे जाली लगाकर रखिए, वरना सर्प पाइप से भी आवास में प्रवेश कर सकता है। चूहों का पीछा करते हुए सर्प भी घर में प्रवेश कर जाते हैं।

इंडियन कॉमन क्रेटः मशहूर इंडियन कॉमन क्रेट (बंगरस सेरूलियस) 'बिग फोर' की सूची में हैं। इस सर्प का शरीर सामान्यतया गहरे नीले या काले रंग का होता है..लगभग 1 मीटर लंबा होता है। इसे इसके हल्के रंग के क्रॉस-बैंड से पहचाना जा सकता है जो रीढ़ की हड्डी के पार चलते हैं। इस प्रजाति का सिर भी चपटा और कुंद होता है, और एक छोटी, गोल पूंछ होती है। इसका शरीर त्रिकोणीय होता है, जो इसे दलदल और आर्द्रभूमि में सरकने में मदद करता है।

कॉमन क्रेट भी भारत का न्यूरोटिक्सिक सर्प है। यह अधिकतर रात में ही काटता है। जब तक इसका एंटीवेनम द्वारा उपचार नहीं किया जाता, तंत्रिका तंत्र पर इसका प्रभाव घातक साबित हो सकता है। ये साँप पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में फैले हुए हैं, और इनका भोजन कृंतक, सरीसृप, मेंढक और अकशेरुकी जीव हैं।

इंडियन रसेल वाइपरः इसे मालवी भाषा में दीवड कहा जाता है। इसका नाम पैट्रिक रसेल जैववविद के नाम पर रखा गया था, जिन्होंने भारत में साँपों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दिलचस्प बात यह है कि हिंदी में दबोइया शब्द का अर्थ है 'छिपकर रहने वाला'। आमतौर पर पीले-भूरे रंग के शरीर और गहरे पैसों के आकार के तीन कतारों धब्बों वाले सर्प हैं।1.6 मीटर तक लंबे होने वाले इस साँप का सिर बड़ा त्रिकोणीय होता है। यह छोटे अकशेरुकी जीवों को खाना पसंद करता है। यह ओवोविविपेरस है, जिसका अर्थ है कि मादा लगभग 20 से 40 बच्चों को जन्म देती है। अधिक भूखी होने पर मां स्वयं के नव जात शिशुओं को भी खा जाती है। लगभग पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाने वाला यह सांप घात लगाने वाला शिकारी है। फुफकारने वाले इस सांप का जहर नेक्रोसिस का कारण बन सकता है। इससे गैंग्रीन तक हो जाता है। इस सर्प का दंश वेस्कुलोटॉक्सिक है याने हृदय और रक्त संचार संस्थान को विषमता से प्रभावित करता है।

इंडियन सॉ-स्केल्ड वाइपर (इकिस कैरिनैटस कैरिनैटस): 'बिग फोर' में से एक है। इसके किनारों पर मजबूती से मुड़े हुए तराजू के कारण इसका यह नाम रखा गया है। खतरा होने पर, सांप शरीर को एक अंग्रेजी के 'एस' आकार में ढल जाता है, जिससे उसके शल्क आपस में रगड़ने लगते हैं और काम करने वाली

आरा मशीन जैसी आवाज श.....श.....पैदा करते हैं। अन्य तीन सर्पों की तुलना में यह बहुत छोटा, यह केवल 60 सेंटी मीटर की लंबाई तक बढ़ता है। इसके शरीर का रंग भूरे या भूरे से लेकर जैतून तक होता है, जिसमें गहरे रंग के पैटर्न होते हैं। वाइपर प्रजाति उत्तर-पूर्वी राज्यों और हिमालय की तलहटी को छोड़कर पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में वितरित है। यह आम तौर पर चट्टानों के नीचे या छिद्रों में छिपना पसंद करता है। गुप्त रंग-रूप और अस्पष्ट जीवनशैली के कारण इन सांपों को खतरनाक माना जाता है। वाइपर द्वारा छोड़ा गया जहर वेस्कुलोटॉक्सिक है - जिसका अर्थ है कि मानव शरीर के हृदय और रक्त वाहिनियों में विषाक्तता करता है। साइटोटॉक्सिक भी है- इसके विषाक्त पदार्थ शरीर की कोशिकाओं और ऊतकों को नुकसान पहुंचाते हैं।

रोकथाम ज्यादा प्रभावी: सर्पदंश एक सिद्ध स्वास्थ्य खतरा है, और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में प्रचलित है। सांप के जहर के इर्द-गिर्द व्यापक शोध के बावजूद, जिसके कारण 'बिग फोर' के लिए एंटी-वेनम की उपलब्धता हुई है, उपचार की तुलना में रोकथाम अधिक प्रभावी है। शिक्षा और जागरूकता सर्पदंश रोकथाम रणनीतियों का अंतिम रूप है। सांपों की प्रजातियों की सही पहचान करना महत्वपूर्ण है - यह जानने के लिए कि वे जहरीले हैं या जहर रहित हैं। सांप को पहचानने में लोगों की सहायता करना आवश्यक है। मोबाइल एप्लिकेशन गूगल पर उपलब्ध है जो सांप की पहचान करने में मदद करता है, चिकित्सा में भी मदद करता है।

साँप काटने पर क्या करें: विषैले सर्प दंश के दो गहरे निशान सामान्यतया दिखते हैं। भारत में पाए जाने वाले 4 विषैली प्रजातियों के काटने पर ही जहर मानव शरीर में इंजेक्ट होता है; विषहीन सर्प के दंश 'सूखे काटने' याने हानि रहित होते हैं जहाँ कोई जहर इंजेक्ट नहीं किया जाता है। काटे गए अंग पर मौजूद सभी आभूषण और अन्य कसने वाली सामग्री हटा दें। घाव पर कसकर पट्टी अथवा कपड़ा बांधें। पीड़ित को समीप के अस्पताल में या सर्प के प्रति विष चिकित्सा केंद्र ले जाएं। झाड़ फूंक या गंडा तावीज के चक्कर में न पड़ें।

यदि सांप मारा जाए तो उसे सावधानीपूर्वक डॉक्टर द्वारा पहचान के लिए अस्पताल ले जाएं। मोबाइल से फोटो भी ली जा सकती है। साँप को मारने या पकड़ने की कोशिश में समय बर्बाद न करें।

साँप काटने पर क्या न करें: सांप काटने पर घबराएं नहीं। पीड़ित को भागने या कोई काम करने की अनुमति न दें। पीड़ित मोटर बाईक को किक करके या दौड़कर या साइकिल चला कर चिकित्सा केंद्र न पहुंचे। शारीरिक श्रम से विष द्रुत गति से शरीर में फैलता है। घाव पर कोई जड़ी-बूटी न लगाएं। और न ही घाव को धोएं। पूर्व में दंशित स्थान पर ब्लेड से कट लगाकर पोटेशियम परमेंगनेट भरा जाता था। यह पूरी तरह घातक है। घाव पर न तो बर्फ या न चीरा और न ही एसिड लगाएं। एल्कोहॉल ना पिएं।

घोड़ाडोंगरी विधायक ने मंदिर में पूजा अर्चना के बाद किया पौधारोपण

बैतूल। राम पहावाड़ी के पूर्व प्राचीन शिव मंदिर में घोड़ाडोंगरी क्रमाक 132 विधायक गंगा सज्जन सिंह उइके एवं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व भाजपा मंडल के अध्यक्ष सतीश मिश्रा द्वारा भगवान शिव की पूजा अर्चना कर एक वृक्ष मां के नाम पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम मे ग्राम पंचायत पहावड़ी के सरपंच जीवनलाल मवासे, उपसरपंच मनोज मालवीय, कृष्ण कुमार मिश्रा, पवन मिश्रा आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पीला सोयाबीन के दाम में आई आंशिक तेजी 4000 से 4400 रुपये प्रति क्विंटल बिका

बैतूल। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले की कृषि उपज मंडी में सोयाबीन के दाम में आंशिक तेजी आई है। सोमवार को बडोरा में स्थित कृषि उपज मंडी में सोयाबीन की नीलामी न्यूनतम 4000 रुपये से लेकर अधिकतम 4400 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की गई। शनिवार को मंडी में सोयाबीन के न्यूनतम दाम 3976 रुपये प्रति क्विंटल रहे थे।

पदयात्रा निकालकर 108 मीटर की चुनरी मां ताप्ती को चढ़ाई

पूरे गांव में त्योहार सा माहौल, सजा पूरा गांव

बैतूल। ग्राम बोरपानी से प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी चुनरी पदयात्रा निकाली गई। चुनरी पदयात्रा का ग्रामीणों ने जगह-जगह पूजा-पाठ कर भव्य स्वागत किया और गांव के घरों के सामने रंगोली डालकर सजाया गया। बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक श्याम टेकपुरे के नेतृत्व में बैंड-बाजे के साथ नाचते-गाते चुनरी पदयात्रा निकाली गई जिसमें बालिकाओं ने सर पर कलश रखकर मां ताप्ती को 108 मीटर की चुनरी की चुनरी भेंट की। इस मौके पर श्याम टेकपुरे ने कहा कि हम बहुत ही सौभाग्यशाली हैं है कि मां ताप्ती का उद्गम हमारे जिले से है। इसी के कारण पूरे भारत में हमारी पहचान है। ग्राम बोरपानी से प्रारंभ यह यात्रा 5 किमी पैदल चलकर ताप्ती घाट (कोलगांव) पर संपन्न हुई। पदयात्रा का समापन महाप्रसाद के साथ किया गया।

त्रिवेणी गौशाला में 50 नीम के पौधे रोपित किए गए

बैतूल। त्रिवेणी गोशाला झगड़ियां में रविवार वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 50 नीम के पोधे रोपित किए गये। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला प्रचारक शिवम ग्वाल, ग्राम विकास के श्री जाधव, नित्या सेवा समिति के बलराम जसूजा, दीपक पाल, हरीश गढेकर, शंकर सिंह रघुवंशी एवं गौशाला के दीपक कपूर, मनीष ठाकुर, पंजाबराव मगरदे, रामराव वराठे, अनिल पवार, तनुज शाह आदि उपस्थित थे।

गंज में लाखों की चोरी में 12 घंटे बाद की एफआईआर

व्यापारी एफआईआर से संतुष्ट नहीं, डकैती का मामला दर्ज करने की मांग

संजय द्विवेदी, बैतूल। शहर में चोरों-डाकूओं-लुटेरों को पुलिस का रत्ती भर भी डर नहीं रह गया है। इसका उदाहरण कई बार देखने का मिल चुका है। शहर के गणमान्य नागरिकों-दुकानदारों ने कई बार पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों सहित जनप्रतिनिधियों से रात्रि गश्त को सही तरीके से और प्रभावी बनाने के लिए गुहार लगाई, परंतु नतीजा सिफर ही निकला। अब ताजा मामले से पुलिस की रात्रि गश्त पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। शनिवार की दरमियानी रात व्यावसायिक क्षेत्र बैतूलगंज में थोक नारियल व्यवसायी शाहरुख मेनन-फारुख मेनन के घर के नीचे गोदाम से अज्ञात नौ नकाबपोशों ने करीब पांच लाख नब्बे हजार से अधिक की चोरी को अंजाम दिया। चोरों ने रात लगभग 2-50 बजे गोदाम का शटर तोड़कर घटना को अंजाम दिया। सुबह जब परिजन उठे तो उन्हें इस बात की जानकारी लगने पर उन्होंने सीसीटीवी फुटेज देखा जिसमें चौपहिया वाहन से आए अज्ञात चोर घटना को अंजाम देते हुए दिखाई दे रहे है। सीसीटीवी फुटेज में 9 चोर लगभग 1 घंटे तक घटनास्थल पर दिखाई दे रहे हैं। सुबह व्यापारी ने उसके परिजनों को इस बात की सूचना दी। दोपहर 12 बजे गंज थाने गए, लेकिन पुलिस ने मशरूका की पूरी

जानकारी लेकर आने का कहा। पुलिस शाम तक नहीं आई, तो रात लगभग 9 बजे फिर परिजनों के साथ समाज के अन्य लोग थाने पहुंचे, लेकिन तब भी पुलिस चोरी की रिपोर्ट लिखने में आनाकानी कर रही थी। व्यापारियों की नाराजगी के बाद रात 12 बजे पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक चोर होने के बावजूद केवल चोरी की मामूली धाराओं में मामला दर्ज किया, जबकि मामला डकैती से जुड़ा होना बताया जा रहा है।

फरियादी व्यापारी फारुख मेनन ने बताया कि शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर रोक लगवाने कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) बैतूल के पदाधिकारी एवं गंज क्षेत्र के व्यापारी बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल से सोमवार सुबह उनके निवास पर मिले और शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर रोक लगवाने और विगत 15 दिनों के भीतर घटित चोरियों का शीघ्र खुलासा करवाने की मांग करते हुए अन्य कई समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने इस संबंध में एसपी से मुलाकात कर गंज पुलिस द्वारा चोरी का मामला दर्ज करने पर आपत्ति जताई। उनके मुताबिक चोरों की संख्या अधिक थी, इसलिए नियमानुसार डकैती का मामला दर्ज करने की मांग की है। एसपी ने उन्हें इस संबंध में चोरी करने वालों को जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया है।

चोरी की बढ़ती घटनाओं पर रोक लगवाने विधायक से मिले कैट व्यापारी

विधायक के माध्यम से पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में उठाई मांग

बैतूल। विगत दिनों गंज व्यापारी के घर के नीचे गोदाम में चोरी की वारदात को लेकर शहर के व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त है। शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) बैतूल के पदाधिकारी एवं गंज क्षेत्र के व्यापारी बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल से सोमवार सुबह उनके निवास पर मिले और शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने और विगत 15 दिनों के भीतर घटित चोरी का शीघ्र खुलासा करवाने की मांग करते हुए अन्य कई समस्याओं से अवगत कराया।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) बैतूल के प्रचार सचिव राजेश मदान ने बताया कि शहर में विगत दो सप्ताह के भीतर चोरी की कई वारदातें हो चुकी है जिनका अभी तक कोई सुराग हाथ नहीं लगा है। शनिवार की ही रात्रि को हथियारबंद 8 नकाबपोश डकैतों द्वारा व्यापारी फारूक मेमन के निवास पर डकैती की घटना को अंजाम दिया गया। जिससे व्यापारियों में आक्रोश पनप रहा है। लगातार हो रही घटनाओं से व्यापारियों द्वारा बैतूल के सक्रिय विधायक हेमंत खंडेलवाल को अवगत करवाया और अपनी मांगे रखी गई। साथ ही विधायक श्री खंडेलवाल के माध्यम से इन घटनाओं को पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया के संज्ञान में भी लाया गया जिस पर उन्होंने चोरी की घटनाओं का अतिशीघ्र खुलासा कर कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया। कैट के सचिव दीपक खुराना ने गंज क्षेत्र में पुनः पुलिस चौकी शुरू करने की मांग की और कहा कि पुलिस विभाग के नियंत्रण में जो भारी राशि खर्च कर सीसीटीवी कैमरे लगवाए थे उनसे सख्त निगरानी की जाए। वहीं व्यापारी राजेंद्र काबरा ने रात्रि गश्त का दायरा बढ़ाने की मांग की। श्री मदान ने बताया कि पुलिस प्रशासन ने भी सभी व्यापारियों से अपने अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं निवास पर अंदर और बाहर सीसीटीवी कैमरे लगाकर जांच में सहयोग का आग्रह किया। जिससे चोरी की घटनाओं की जांच कर शीघ्र खुलासा करने में सहायता मिल सके। इस मौके पर गंज क्षेत्र के कई व्यापारी मौजूद थे।

आबकारी टीम की ताबड़तोड़ दबिश, 54 लीटर अवैध शराब और मोटरसाइकिल जब्त

टाटा शोरूम के पास धराया माफिया, विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी सफलता हासिल की

बैतूल। आबकारी विभाग की एक बड़ी कार्रवाई में अवैध मदिरा के धंधे का पर्दाफाश किया गया है। कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी और जिला आबकारी अधिकारी डॉ. अंशुमन सिंह चढार के निर्देशन में चलाए गए विशेष अभियान के तहत, 13 जुलाई को ग्राम दनोरा में टाटा शोरूम (सर्विसिंग सेंटर) और विलेज वाटिका रेस्टोरेंट के पास से 6 पेटी देशी मदिरा प्लेन के साथ आरोपी विवेक पिता रामनाथ बिहारे (उम्र 23 वर्ष, निवासी भीमपुर) को गिरफ्तार किया गया। आरोपी यह मदिरा हीरो एचएफ डिलक्स मोटरसाइकिल (डच् 48 जेडए 1876) से परिवहन कर रहा था। जब्त मदिरा की कुल मात्रा 54 लीटर है और इसकी अनुमानित कीमत 21 हजार रुपये है। इस कार्रवाई से जिले में अवैध मदिरा के कारोबार पर बड़ा प्रहार हुआ है।

आरोपी पर सख्त धाराओं के तहत मामला दर्ज- आरोपी के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 (2000) की धारा 34(1)(क), 34(2), और 46 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। यह कार्रवाई आबकारी उपनिरीक्षक गौरव पाण्डेय, वृत प्रभारी बैतूल की अगुवाई में की गई। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक सुरेन्द्र देवांगन, दिलीप

भादे, आबकारी आरक्षक सत्येंद्र सिकरवार, अक्षय हूरडे, विनय मालवीय, कुसुम धुर्वे, पूजा शर्मा और नगर सैनिक जावेद खान का उल्लेखनीय योगदान रहा।

आगे भी जारी रहेगी सख्ती- जिला आबकारी अधिकारी डॉ. अंशुमन सिंह चढार ने बताया आरोपी के बयान के आधार पर अवैध मदिरा विक्रय कार्य में संलिप्त राहुल रायपुरे निवासी भीमपुर की तलाश जारी है। आबकारी विभाग अवैध मदिरा के विरुद्ध अभियान को और तेज करेगा ताकि जिले को अवैध मदिरा के कारोबार से मुक्त किया जा सके।

श्रिया राठौर का आल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में रिसर्च हेतु चयन

बैतूल/शाहपुर। ब्लाक ग्राम पाढर के व्यवसाई गेलेंद्र राठौर, जया राठौर की पुत्री पूर्व बैतूल विधायक शिवप्रसाद राठौर लिखीराम राठौर की पोती कृषक संतोष राठौर जितेंद्र राठौर की भतीजी अंकित राठौर की बहन श्रिया राठौर का चयन राष्ट्रीय महत्व के संस्थान आल इंडिया इंस्टिट्यूट मेडिकल साइंस भोपाल में डिपार्टमेंट ऑफ बायोकेमेस्ट्री रिसर्च एवं पीएचडी हेतु हुआ है। उन्होंने विगत दिनों लिखित सहित साक्षात्कार परीक्षा में सफलता प्राप्त की। जिसमें उनकी रैंक 2 आई है। प्रारंभ से ही श्रिया प्रतिभावान छात्रा रही है। उन्होंने कक्षा दसवीं (आरडीपीएस) से 95 प्रतिशत से बारहवीं झुंझुनू एकेडमी राजस्थान से 94 प्रतिशत से बीएसएसी ऑनर्स देश के प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय से 9.7 सीजीपीए से उसके बाद गेट बी एग्जाम में आल इंडिया में रैंक 58 वी प्राप्त की। जिससे उनका दाखिला सावित्री बाई फुले (एस पी पी यू) पुणे यूनिवर्सिटी में एमएससी बायोटेक्नोलॉजी में हुआ उन्होंने एमएससी 10 सीजीपीए से उत्तीर्ण की पढ़ाई के साथ ही कैंसर पर रिसर्च प्रोजेक्ट किया। उनका रिसर्च पेपर अंतर्राष्ट्रीय साइंस जर्नल पत्रिका नेचर में प्रकाशित हुआ वे आगे भी एम्स में कैंसर रिसर्च करेंगी। उन्हें केंद्र सरकार द्वारा छात्रवृति प्राप्त होगी। श्रिया राठौर ने कहा की वे अच्छे संस्थान में रिसर्च कर वैज्ञानिक बनकर देश सेवा करना चाहती है। सभी परिवारजनों, इष्ट मित्रों ने श्रिया की सफलता पर बधाई प्रेषित की है।

जिला बदर आरोपी एवं कुख्यात बदमाश अवैध सागौन चरपट व शराब की अवैध तस्करी करते धराया

बैतूल। सारणी पाथाखेड़ा पुलिस ने एक जिला बदर आरोपी एवं एक कुख्यात बदमाश अवैध सागौन चरपट व शराब की अवैध तस्करी करते फॉरचूनर वाहन सहित पकड़ा है। पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना अनुसार आमला तरफ से दो व्यक्ति जिसमे एक जिला बदर आरोपी तोहित एंव कुख्यात बदमाश अज्जू रावण सफेद रंग की फोर व्हीलर वाहन से शराब एंव सागौन की चरपट लेकर धसेड रोड राखड डेम तरफ से पाथाखेड़ा की और आ रहे है।

जिसकी सूचना पर थाना सारणी एवं चौकी पाथाखेडा पुलिस व्दारा संयुक्त कार्यवाही कर धसेड रोड राखड डेम के पास एक सफेद रंग के फॉरचूनर वाहन जिसमे दो व्यक्ति बैठे मिले व्यक्तियों से नाम पता पूछने पर अपना नाम अज्जू उर्फ शेख आजम पिता शेख बाबू उम्र 32 वर्ष निवागी आर्य वार्ड कंपनी गार्डन बैतूल एंव तोहित पिता सलीम असांरी उम्र 22 साल निवासी शॉपिंग सेंटर के

पास सारणी का होना बताया। वाहन चौक करने पर कुल 72 लीटर शराब कीमती 28500- एंव 5 सागौन चरपट ,कीमती 5000 रूपये एव घटना में प्रयुक्त फॉरचूनर वाहन कुल कीमती 25,33,500 जप्त कर, आरोपीयो अज्जू उर्फ शेख आजम निवागी बैतूल, तोहित पिता सलीम असांरी निवासी सारणी का कृत्य धारा-34 (2) आबकारी एक्ट, एंव म.प्र वनोपज (व्यापार विनियमन) अधि. 1969 की धारा 1(3), 2, 5,15,16 एंव धारा 3(5) वीएनएस एव एक जिला बदर आरोपी तोहित पिता सलीम असांरी उम्र 22 साल निवासी शॉपिंग सेंटर के पास सारणी व्दारा न्यायालय जिला दंडाधिकारी जिला बैतूल के व्दारा पारित जिला बदर आदेश का उलंघन पाये जाने से आरोपी तोहित पिता सलीम असांरी के विरुध्द धारा 14 म.प्र.रा.सू.अधिनियम के तहत कार्यवाही कर दोनो आरोपीयो को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय बैतूल पेश किया जा रहा है। आरोपी तोहिद अंसारी निवासी सारणी के विरुद्ध थाना सारणी में 18 अपराधिक प्रकरण दर्ज है एवं 12 प्रतिबंधात्मक कार्यवाहीया की दर्ज है। तथा आरोपी अज्जू उर्फ शेख आजम के विरुद्ध थाना कोतवाली बैतूल में 29 आपराधिक प्रकरण दर्ज है एवं 12 प्रतिबंधात्मक कार्यवाहीया दर्ज है। उक्त कार्यवाही में थाना सारणी एंव चौकी पाथाखेडा पुलिस व्दारा संयुक्त कार्यवाही कर आरोपीयो को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

जर्जर भवनों और अतिक्रमित शासकीय भूमि और परिसरों का हो व्यावसायिक उपयोग : विधायक

सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण का लक्ष्य कम से कम 85 प्रतिशत हो : कलेक्टर

ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों के निर्माण पर एसडीएम करें सख्ती : श्री जैन

बैतूल। विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए जिले के जर्जर हो चुके भवनों को अनहोनी की आशंका से डिस्मेंटल किया जाना अत्यंत आवश्यक है। विधायक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित टीएल की बैठक में कलेक्टर से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिले में कई शासकीय भूमि एवं भवन ऐसे है, जिन पर लोगों ने अतिक्रमण किया हुआ है। इन भूमि और भवनों को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए। साथ ही शासकीय भवनों यथा अस्पताल, स्कूल, महाविद्यालय, पंचायत की रिक्त भूमि का व्यवसायिक उपयोग किया जाए। इन भवनों के परिसरों में दुकानें एवं व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स का नियमानुसार निर्माण कराया जाए, तो स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही शासकीय संपत्ति का संरक्षण एवं विकास भी हो सकेगा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने विधायक के प्रस्ताव पर प्राथमिकता से अमल करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि तीन दिन के भीतर ऐसे जर्जर भवनों, अतिक्रमित भूमि एवं परिसरों को चिन्हित कर

प्रस्तुत करें, जिससे उनके निर्माण और अतिक्रमण की कार्रवाई की जा सके।

शिकायत निवारण का लक्ष्य हो 85 प्रतिशत- कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों के निराकरण में तेजी लाए। शिकायत निवारण में 79 प्रतिशत का परिणाम संतोषजनक तो है, परंतु लक्ष्य को पूरा नहीं करता। उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह की 5 तारीख तक न्यूनतम 80 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण होना चाहिए। इस लक्ष्य को आगे रखकर काम करेंगे तब ही ए श्रेणी की कैटेगिरी प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर विधायक की उपस्थिति से शासकीय कार्यों के निष्पादन में जहां तेजी आएगी वहीं जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन के समन्वय से विकास कार्य त्वरित गति से पूरे किए जा सकेंगे।

एक पौधा मां के नाम- विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशा के अनुरूप एक पौधा मां के नाम अभियान के अंतर्गत जिले में 25 लाख पौधे रोपण का लक्ष्य रखा गया है। इनमें अभी तक 14 लाख पौधे का रोपण किया जा चुका है। एक अभियान चलाकर पौधा रोपण के कार्य को पूरा किया जाना है। इस हेतु कलेक्टर, डीएफओ, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एक कार्य योजना बनाकर विधिवत भव्य समारोह के आयोजन के साथ पौधारोपण के लक्ष्य को पूरा किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध कॉलोनी पर करें सख्ती

मुख्य कार्यपालन अधिकारी अक्षत जैन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में एसडीएम अवैध कॉलोनियों के निर्माण पर सख्ती से अंकुश लगाए। कॉलोनी निर्माण के बाद कॉलोनाइजर बिना डेव्हलपमेंट और मुलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में लापरवाही बरतते काम छोडकर चले जाते है। उसके पश्चात कॉलोनी के निवासी सुविधाओं के लिए परेशान होते रहते है। इसलिए जरूरी है कि कॉलोनी का निर्माण कॉलोनाइजर नियमानुसार करें। श्री जैन ने कहा कि पेसा कानून के तहत ग्राम सभा के गठन के लिए एसडीएम द्वारा आदेश जारी किए जाते है। कई स्थानों पर स्थानीय मजरे टोले और समाज और वर्ग विशेष के लोग अपनी ग्राम सभा बनाना चाहते है, जिसके लिए वे आवेदन करते है और उन आवेदनों को आधार पर जांच के बाद आप ग्राम सभा बनाने के लिए आदेश जारी करते है। परंतु अभी भी अलग-अलग विकासखंडों में 20 से अधिक आवेदन लंबित है। इनका शीघ्र निराकरण करें। इस अवसर पर प्रभारी एडीएम मकसूद अहमद, डीएफओ विजयानंतम टीआर, सभी विभागों के अधिकारी एवं जिले के सभी एसडीएम ऑनलाइन बैठक में उपस्थित थे।

पुस्तक समीक्षा

सुरेश रायकवार

समीक्षक

मुट्ठी भर धूप : जीवन के संघर्ष का बयान

रो कनक हरलालका यूं तो पूर्वोत्तर राज्य असम से हैं किंतु शेष भारत के लिए भी लेखिका के रूप में उनकी अपनी एक पहचान है। कनक हरलालका की सद्य प्रकाशित पुस्तक 'मुट्ठी भर धूप' से पूर्व उनका एक लघुकथा संग्रह 'कितना कुछ अनकहा' और एक काव्य संग्रह 'सतरंगी उजास के पंख' प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त भी इनकी रचनाएँ निरंतर ही देश की विभिन्न प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती है। कनक एक बहुत ही संवेदनशील लेखिका हैं और इन्हे कई पुरस्कारों से अलंकृत भी किया जा चुका है।

लघुकथा के इस संग्रह में प्रेम, करुणा, प्रकृति-पर्यावरण, विज्ञान, शिक्षा, भ्रष्टाचार, किसान, गरीब, कोरोना और युद्ध की विभीषिका आदि विषयों पर तथा जीवन के और भी कई रंगों पर आधारित उनकी कुल 105 लघुकथाएं है। वैसे तो लघुकथा के कोई निर्धारित मानक या मानदंड नहीं होते हैं किंतु व्यावहारिक तौर पर जितने भी मानदंड बतलाए जाते हैं उनपर कनक हरलालका की लघुकथाएं खरी उतरती है।

अभी पिछले दिनों प्रकाशित एक पुस्तक 'उत्कृष्ट लघुकथा विमर्श' में लघुकथा के लिए मानदंड अथवा विशेषताओं पर देश के श्रेष्ठ लघुकथाकारों द्वारा विस्तार से चर्चा की गई है, जैसे मौलिकता, संक्षिप्तता, शीर्षक, भूमिका, कालदोष, कथानक, कथ्य, पात्र, शैली, बिम्ब प्रतीकों का प्रयोग, भाषा, वाक्य संयोजन, संवाद संयोजन, लेखक विहीनता, पंच वाक्य आदि। मैंने पाया की श्रीमति कनक द्वारा रचित सभी लघुकथाएं इनमें से अधिकांश मानदंडों पर खरी ही उतरती हैं।

लघुकथा संग्रह की भूमिका भी एक नहीं बल्कि दो दो प्रतिष्ठित लघुकथा साहित्यकारों यथा डॉ पुरुषोत्तम दुबे, इंदौर एवं डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी ने लिखी है। पुरुषोत्तम दुबे ने लिखा है कि कनक हरलालका की हर लघुकथा में विचारों की प्राण प्रतिष्ठा देखने को मिलती है। समाज में व्याप्त विसंगतियों से लेकर मानवीय कदाचारणों की अप्रीतिकर झलकियों तथा स्त्रियों में वासित संवेदनाओं के भावों से ओतप्रोत लघुकथाओं की बानगियां 'मुट्ठी भर धूप' संग्रह का औचित्य प्रतिपादित करती है। डॉ. चंद्रेश छतलानी लिखते हैं कि कनक हरलालका का प्रस्तुत संग्रह 'मुट्ठी भर धूप' लघुकथाओं का एक ऐसा संग्रह है जो पाठकों को सुबह जागने से लेकर रात्रि सोने के बीच के ऐसे कितने ही क्षेत्रों की यात्रा करा देता है, जिनसे बहुत से जनमानस जुड़े हुए है।

संग्रह की पहली लघुकथा 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' में धर्म की सहिष्णुता, उदारता को परिभाषित किया गया है जब लघुकथा का नायक धर्म की सीमाओं को भूलकर मदरसे जा रही एक भूखी बालिका को भगवान को चढ़ाये लड्डू का प्रसाद दे देता है।

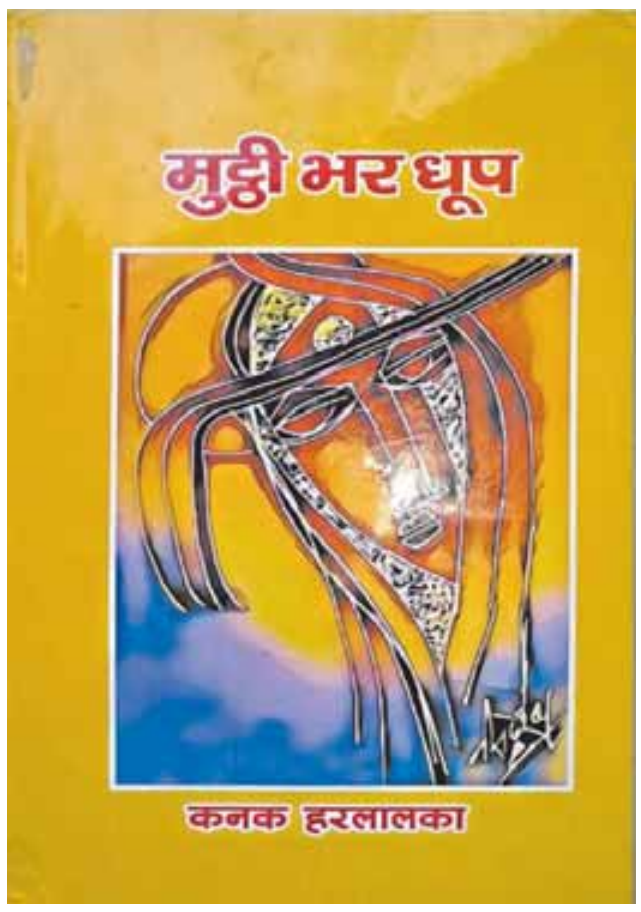

वहीं 'रक्त संबंध' में भी कथा की नायिका धर्म के स्थान पर मानव की जीवन रक्षा के लिए अपना खून दान करती है।

लघु कथा 'लोहे के नाखून' में एक चूड़ी बेचने वाली महिला जब कहती है कि 'कल से मुझे चूड़ियों के साथ साथ लोहे के नाखून भी बेचने चाहिए' तब लेखिका महिलाओं के सशक्तिकरण की बात को दृढ़ता से कहती हुई दिखाई देती है। नारी सशक्तिकरण पर लघुकथा 'स्वयं सिद्धा' भी पठनीय है। ऐसे ही नारी संघर्ष और स्वतन्त्रता पर लिखी गई लघुकथा 'ईश्वर के दूत' भी बहुत प्रभावी है जिसमें महिलाएं संगठित होकर कहती है कि हम अपना उद्धार अब स्वयं कर लेंगी। ऐसे ही लघुकथा 'शुरुआत' भी नारी की स्वतंत्र सोच पर आधारित श्रेष्ठ लघुकथा कही जा सकती है।

लघुकथा 'नींव के पत्थर' गरीबों के शोषण पर लिखी हुई बहुत ही सशक्त लघुकथा है। 'पंख' के माध्यम से उन्होने बालमन को समझने की सलाह दी है। वहीं 'सोने के हाथ सोने के साथ' डाउन सिंड्रोम से ग्रसित एक विशेष बच्ची और माँ के सम्बन्धों पर आधारित प्रभावी लघुकथा है।

लघुकथाएं 'लोकतन्त्र', 'रणनीति', 'गिद्ध धर्म', 'ताला लगी जुबान' और 'प्रश्न-चिन्ह' आदि व्यंग्यात्मक शैली में लिखी गई श्रेष्ठ लघुकथाएं है।

लघुकथा 'अकथ्य' में कनक हरलालका ने हमारे देश में व्याप्त जाति व्यवस्था पर कठोर प्रहार किया है। 'झुक गए कंधे' में एक मजदूर के जीवन के संघर्ष को जीवंत कर दिया है। लघुकथा शिकार इस संग्रह की सबसे छोटी किन्तु बड़ा संदेश देती हुई लघुकथा है जो इस प्रकार है।

'चल और एक चिड़िया का बच्चा शिकार बन गया। आका खुश हो जाएगा।' उसने पत्थर उठाते हुए कहा।

'ओह बेचारा!' दूसरे ने कहा।

'तुझे यही सबक सिखाया गया था....? चल, आका को बतलाता हूँ।'

'.....'

दूसरे की आह सुनकर पहले ने पत्थर को उठा का पोंछा, चूमा और फिर उस पर निशाना लगा दिया।

चूंकि लेखिका एक कवियित्री भी है इसलिए कहीं कहीं लघुकथा में काव्य का शिल्प भी नजर आता है जैसे 'नव साम्राज्यवाद', 'सुर्ख फूलों वाली लतर' एवं आव्हान आदि रचनाएँ।

संग्रह में नारी प्रधानता की लघुकथाएं अधिक है उसका स्वाभाविक कारण भी है कि लेखक स्वयं भी एक नारी है। कनक हरलालका की लघुकथाओं में जहां जीवन के संघर्ष को महसूस किया जा सकता है वहीं दूसरी ओर बहुत सी लघुकथाओं में आशावादी दृष्टिकोण भी प्रशंसनीय है। संग्रह की सभी लघुकथाओं में अत्यंत सरल और सहज शब्दों का चयन किया गया है जिसके कारण उनकी लघुकथाएं सभी पाठकों के लिए सुगम्य बन पड़ीं है। आशा है इस पुस्तक 'मुट्ठी भर धूप' को समाज का हर वर्ग पढ़कर पसंद करेगा।

पुस्तक - मुट्ठी भर धूप
लेखिका - कनक हरलालका
प्रकाशक - वनिका पब्लिकेशन, नई दिल्ली
मूल्य - 280/-

विद्यार्थी जीवन में जो उलझने चित्रण में आती है वो निरंतर कार्य व संवाद व चित्रों को निरंतर देखने से सुलझ सकती है: दुर्गेश बिरथरे

शासकीय ललित कला महाविद्यालय, धार में चित्रकला कार्यशाला

धार। संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश शासन भोपाल के तत्वाधान में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष्य में शासकीय ललित कला महाविद्यालय धार में 15 एवं 16 जुलाई को व्याख्यान व कार्यशाला का आयोजन किया गया है। 15 जुलाई को मुख्य वक्ता के रूप में दुर्गेश बिरथरे द्वारा छात्र -छात्राओं से चित्रकला पर चर्चा की द्य दुर्गेश बिरथरे इसी महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र रहे हैं द्य उन्होंने अपने व्याख्यान में धार कॉलेज के बारे में यहाँ के गुरुओं से प्राप्त शिक्षा के बारे में बताया द्य जिन गुरुओं से चित्रकला शिक्षा पाठ्यक्रम के गुर सीखे है उन सभी गुरुओं का स्मरण व धन्यवाद किया। विद्यार्थी जीवन में गुरु के महत्व एवं विद्यार्थी जीवन की कला के महत्व पर अपने विचार रखे द्य अपने चित्रों के प्रेजेंटेशन में उन्होंने चित्रों की विषय रंग योजना उसका भावनात्मक पक्ष जो की अमूर्तन शैली से निर्मित उनके बिंदु प्रधान है, उनके चित्र प्रकृति पर आधारित है उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के चित्र भी बच्चों से साझा किए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में जो उलझने चित्रण में आती है वो निरंतर कार्य व संवाद व चित्रों को निरंतर देखने से सुलझ सकती है द्य

साध्वी शुभवर्धनाजी का चातुर्मासिक प्रवेश संपन्न

साध्वीजी शीलरेखा श्रीजी उपस्थित रहीं, भक्तों ने की गुरूदेव की अगवानी

देवास। श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर तुकोगंज रोड़ पर पूज्य साध्वीजी शुभवर्धना श्रीजी, जयवर्धना श्रीजी एवं निर्वाणवर्धना श्रीजी आदि का चातुर्मासिक प्रवेश संपन्न हुआ। साध्वी जी शीलरेखा श्रीजी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर आकर्षक शोभा यात्रा

निकाली गई। फूलों से सुसज्जित मंडप में गुरूदेव चल रहे थे। आगे मंगल कलश लेकर सुलसा बहु मंडल उपस्थित था। पुरूष मंडल एवं महिला मंडल मंगल गीत गाते हुए नृत्य करते हुए चल रहे थे। सुलसा बहु मंडल ने आकर्षक मयूर नृत्य प्रस्तुत किया। राजरत्ना ग्रुप ने मनोहारी नृत्य द्वारा गुरूदेव की अगवानी की। धर्म ध्वज फहराते हुए भक्तों का समूह आकर्षण का केन्द्र रहा। वाजंत्री की थाप पर नवयुवकों ने मनमोहक गरबा नृत्य प्रस्तुत किया। अपने घरों के सामने भक्तजनों ने अक्षत एवं श्रीफल की गहुली बनाकर गुरूदेव की अगवानी की। प्रवक्ता विजय जैन ने बताया कि 15 जुलाई को प्रातः 7.45 बजे मंडी धर्मशाला से अनेक आकर्षणों से सुसज्जित शोभा यात्रा सामैय्या प्रारंभ हुआ। जो कि विजया रोड, श्री आदेश्वर मंदिर आदिनाथ चौक,जेल रोड होकर श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर तुकोगंज रोड पर संपन्न संपन्न हुआ। यहां पर गुरू पूजन तथा कामली अर्पण का कार्यक्रम हुआ। गुरू पूजन पूज्यश्री के सांसारिक परिवार ने किया और कामली अर्पण का लाभ नितिन कैलाश जैन मानव ने प्राप्त किया। समदड़िया परिवार, गुरूदेव के सांसारिक परिवार, पुष्पा बहन भंवरलाल अरविंद सुराणा, नगीन सोलंकी एवं राकेश भाई बाड़कुम्बेद का सम्मान किया गया। इस अवसर पर निगम सभापति रवि जैन, विधायक प्रतिनिधि भरत चौधरी, विलास चौधरी, अजय मूणत, राजेश बागरेचा, एच.एल.मेहता, मनीष जैन कायथावाला, भरतेश जैन, सुरेन्द्र तेजावत, प्रकाशचंद गोखरू, महावीर जैन, विनोद जैन, निलेश जैन, नितिन जैन, विशाल तातेड़, विकास जैन, जवाहर सुराणा, राकेश तरवेचा, अतुल जैन, दीपक जैन आदि उपस्थित थे। भक्ति संगीत की प्रस्तुति विजय जैन एवं गौरव जैन भोमियाजी ने दी। स्वागत भाषण अशोक जैन पटवारी ने दिया। आभार शैलेन्द्र चौधरी ने माना।

राष्ट्रीय महामंत्री, रीजनल अध्यक्ष एवं रीजनल सचिव का देवास प्रवास

देवास। देवास शाखा में भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री दुर्गादत्त शर्मा, रीजनल अध्यक्ष सुनील कोठारी एवं रीजनल महासचिव सुधीर अग्रवाल का प्रवास हुआ। परिषद के सदस्य हेमंत वर्मा के विद्यालय किंडर स्कूल में कार्यक्रम हुआ। जिसमें राष्ट्रीय महामंत्री का मार्गदर्शन मिला। जिससे सभी का उत्साह वर्धन हुआ एवं अगले 3 महीने में 121 सदस्य बनाने का लक्ष्य लिया। राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा पौधारोपण भी किया गया। सोनकच्छ में नई शाखा शुरू करने का प्रभार मनीष माहेश्वरी एवं हाटपिपलिया में शाखा शुरू करने का प्रभार विक्रम आप्टे को दिया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से आमंत्रित इतिहासकार दिलीप जाधव उपस्थित थे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी कीर्ति चव्हाण ने दी।

सरकारी स्कूल में बालिकाओं को दिया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

देवास। संस्था आस द्वारा सीआरवाय (चाइल्ड राइट्स एंड यू) प्रोजेक्ट के तहत शासकीय हाई स्कूल कैलोद में मास्टर सईद आलम ने सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी। लड़कियों के खिलाफ अपराध की घटनाएँ और छेडखानी के मामले आए दिन सामने आते रहते है। ऐसे में सेल्फ डिफेंस का गुर सीखना बहुत जरूरी हो गया है। ऐसी ही एक पहल मिशन हिफाजत में कैलोद के शासकीय स्कूल हाई स्कूल में 44 छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए। जिससे बालिकाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है। संस्था आस के डायरेक्टर वसीम इकबाल ने कहा कि इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य छात्राओं को संभावित खतरनाक स्थितियों में सुरक्षित रहने के लिए व्यवहारिक कौशल और ज्ञान प्रदान करना था। प्राचार्या रंजना सोनखुसरे ने कहा कि हमारा लक्ष्य बालिकाओं को उनके दैनिक जीवन में अधिक सुरक्षित और सुरक्षित महसूस कराना है। आत्मरक्षा केवल शारीरिक तकनीकों के बारे में नहीं है। यह जागरूकता और आत्मविश्वास के बारे में है। सीआरवाय (चाइल्ड राइट्स एंड यू) प्रॉजेक्ट कॉर्डिनेटर यास्मीन खान ने कहा कि सेल्फ डिफेंस कार्यशाला में विभिन्न तकनीकों को शामिल किया। बुनियादी हमले, बचाव के तरीके और स्थिति की समझ शामिल थी। देश के प्रसिद्ध सेल्फ डिफेंस एक्सपर्ट मास्टर सईद आलम ने मानसिक तैयारी और आत्मविश्वास के महत्व पर जोर दिया। समापन समारोह में मुस्कान राठौर, ऋषिका पटेल, पायल चौहान, नीतु दुबे, मुस्कान चौहान, इशा चौधरी, निशा नखरीया, राजनंदनी चौहान, नंदिनी नखरीया, उमा रावत, शर्मिला राजोरिया, आकांक्षा सुनेर, चंचल परमार, अंशिका चौधरी, शिवानी चौधरी, कविता देवड़ा, खुशबू पटेल, पायल गंगोलिया, मनीषा चौधरी, रिया राजोरे और मुस्कान राजोरे ने बचाव के तकनीकों का शानदार प्रदर्शन किया। स्कूल परिवार की ओर से सेल्फ डिफेंस एक्सपर्ट मास्टर सईद आलम और सहायक कोच अब्दुल राशिद को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रेखा चौधरी, कोमल खले, योगिता भारती गुप्ता, चंद्रप्रताप सिंह चावड़ा और गोवर्धन सिंह जलखेडिया और अन्य शिक्षक गण उपस्थित थे। संचालन धर्मेन्द्र रावत ने किया तथा आभार अंतिम झाला ने माना।

नर्मदापुरम की गपशप

संजीव डे राय

ट्रेन की टक्कर से एक बाघ मृत और दो घायल...

वन्य-जीव की सुरक्षा व्यवस्था करने यूं तो अखबारों के जरिए आएं दिन कोई न कोई सुर्खियां बनना पसंद करता ही है लेकिन सवाल यहां यह उठता है क्या वास्तव में सुर्खियां बनने वाले वन्य-जीव की सुरक्षा के दायित्व को गंभीरता लेते भी है या नौकरी बचाने के लिए वह अखबारों के सामने बयान देकर बचते हैं..? करोड़ों खर्च कर रेलवे की तीसरी लाइन डलते वक्त अखबारों में यह खबर थी वन्य-जीव की सुरक्षा के लिए व्यवस्था की जायेगी, तीसरी डल चुकी और चालू भी हो चुकी। लेकिन वन्य प्राणी की सुरक्षा के लिए व्यवस्था की जायेगी तो ये मर कैसे रहें..? आखिर इस ओर कब चेतेंगे..? यह सवाल इसलिए कि आज डाउन लाइन खम्बा नंबर 278 और 280 के बीच एक बाघ मारा गया और दो बाघ घायल हुए हैं। इस घटना से वन विभाग के जिम्मेदार चिंतित हैं।

अधिकारी सही है तो कार्रवाई नहीं ऐसा क्यों..?

अपने क्रियाकलापों से महिला परिवहन अधिकारी सुर्खियों में है, चार दिन पहले सारे एजेन्टों ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया। जमकर नारेबाजी हुई आरोप लगे अधिकारी समय से फाइल पर हस्ताक्षर नहीं हो रहे उपभोक्ताओं को तकलीफ हो रही इसलिए हड़ताल पर हैं बगैरा बगैरा.. प्रर्दशन वाले दिन अधिकारी मैडम कार्यालय में उपस्थित नहीं थी लेकिन उनके अख़बारी बयान ने सभी ऐजेंटों के पैरों के नीचे से जमीन हटा दी अधिकारी ने बयान दिया विभाग सीधे आवेदन लेकर लोगों के काम करेगा, अगर ऐसा है तो यह पहले से क्यों नहीं हो रहा था। अखबारी इस गुस्से से समझा जा सकता है कि अधिकारी समस्या का निराकरण नहीं चाहती सब ऐजेंटों पर दबाव बना पाक-साफ दिखना चाहती है, परिवहन मंत्री तक उनके क्रियाकलापों से खुश नहीं अलीराजपुर उनका स्थानांतरण हो चुका स्टे, चुनावी अधिसूचना का लाभ उन्हें मिला लेकिन भुगत जनता रही वह क्यों नियुक्ति के समय से ही अधिकारी अपने साथ छिंदवाड़ा से ही साथ में वाऊसंर लेकर आई है वह क्यों.? फिर बगैर कलेक्टर के आदेश निर्देश के सड़क पर परिवहन विभाग का काम तो दिखाई नहीं देता.. !

विधायक प्रतिनिधि से मुलाक़ात के बाद तेवर खत्म..!

परिवहन अधिकारी ने आज उनके खिलाफ बगावत करने वाले ऐजेंटों की नस दबाई, अतिक्रमण हटाने के लिए मौके पर तहसीलदार पहुंचकर भी टप हटा नहीं पाएं न विभाग ने सीधे कोई आवेदन स्वीकार किया, इटारसी विधायक प्रतिनिधि के कार्यालय पहुंचते ही परिवहन अधिकारी ने मुस्कुराते हुए कहा ऐजेंट अखबार बाजी करवाते हैं इसलिए मुझे सख्त होना पड़ा। जैसे चल रहा था वैसा ही चलेगा.. !इसके मायने तलाशे जाने लगे यानी अधिकारी के विरुद्ध ऐजेंटों की शिकायत वाजिब सब-कुछ पहले जैसा तो फिर नारेबाजी और हड़ताल की नौबत आई क्यों...?

अपराधियों के हौंसले बुलंद..

पुलिस की अभिरक्षा में शिकायतकर्ता की न केवल पिटाई हो गई डाक्टर और पुलिस से भी धक्का-मुक्की हुई है। सीसीटीवी कैमरे में यह सब कैद हो गया। आखिर अपराधियों के पीछे कौन है जिनके आगे पुलिस तक बौना साबित हो रही..? अपराधी पुलिस, राजनेताओं से दूर रहते थे अब अपराधी राजनेताओं के साथ राजनीति करने लगे। नगर में सट्टा शराब और आईपीएल का खेल जबरदस्त चल रहा, पुलिस को नहीं मालूम बुकी कौन है साइबर सेल पुलिस कंट्रोल मे हैं। फिर वर्षों से जमें विभागीय स्टाफ को यह नहीं पता तो यहां उनके रहने का क्या लाभ पूरे स्टाफ को संभाग के बाहर कर अपरिचित पुलिस कर्मियों को दूसरे संभाग से लाकर बिगड़ी फिजा को ठीक करवाने का प्रयास करवाना चाहिए। शिकायत कर्ता को जहां सुरक्षा मिलनी चाहिए वहीं वह सुरक्षित नहीं जबकि दो-दो थाने हो गये, दो टीआई हो गये स्टाफ बढ़ गया लेकिन अपराध कंट्रोल नहीं हो रहा..? शुभम शर्मा का मामला उसका एक उदाहरण है छह घंटे जांच हुई। शुभम पर मामला दर्ज हुआ शुभम ने खुद गोली चलाई यह मामला दबा क्यों.. निराकरण हो गया तो मामला खत्म हो और नहीं तो मामला दर्ज हो.. ऐसे में आखिर शिकायतकर्ता जाए कहां...?

निजी स्कूलों की दादागिरी ,मंत्री की भी नहीं सुनी..!

सरकार द्वारा निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ उठाए जा रहे कदम के विरुद्ध निजी स्कूलों ने दो दिन स्कूल बंद कर दिए है ऐसा माना जा रहा है कि निजी स्कूल शासन से लड़कर अपनी बात मनवाना चाहता है और अपनी गलतियों पर पर्दा डालना चाहता है शुरुआत में साफ दिखाई दे रहा है निजी स्कूल शासन को ब्लैकमेल करने का मन बना चुका है जबकि म प्र के शिक्षा मंत्री राव उदयप्रताप सिंह ने इस हड़ताल का विरोध करते हुए कहा था स्पष्ट कहा था कि हड़ताल नहीं की जाए स्कूल बंद करना कोई हल नहीं, बैठकर बात कर हल निकाला जाए बावजूद इसके मंत्री जी के कथन की धज्जियां उड़ाते हुए दो दिन के लिए स्कूल बंद कर दिए गए। पूरे घटना क्रम में कुछ तो गड़बड़ है क्योंकि एक सामान्य सा आदेश था अपने अपने स्कूलों की जानकारी एक पोर्टल पर डाली जाए जो सार्वजनिक रूप से सभी देख सके कि स्कूल के क्या माप दंड क्या है, क्या फीस है, इसमें घबराने की जरूरत तो दिखाई नही देती। यह जरूर हैं कि मंत्री जी और सरकारी आदेश को नही मानना उनकी अहवेलना करना कितना उचित है..?

और अब अंत में चलते चलते

धीरे धीरे दो साल होने आ चुके नगरपालिका में बनी पिंक परिषद, पढ़ी-लिखी महिलाओं की इस परिषद ने अब-तक ऐसी लकीर नहीं खींची जो महिला पिंक परिषद कार्यकाल की यादगार कही जाए.. कहा जा रहा था पढ़ी-लिखी महिला परिषद कुछ अलग साबित होगी, सच होता दिखाई नहीं देता। ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा धारी महिला पार्षद, सभापति ऐसा महसूस करा रही सरकार और जनता ने उन्हें अधिकार और शक्ति दे दी पर हुकूमत और दबाव पतियों का ही उनपर बना हुआ

वक्रोक्ति

मोहन वर्मा

लेखक पत्रकार हैं।

ये गाड़ी के नीचे चलने वाले

ह मारे मालवा में एक मुहावरा बड़ा मशहूर है। गाड़ी के नीचे चलने वाले ये समझते हैं कि गाड़ी को वो ही चला रहे हैं। ये मुहावरा किन हालातों में सामने आया, किसने कब किस संदर्भ में कहा उसे छोड़ भी दें तो आज घर परिवार से लेकर, नौकरी धंधों तक के और राजनीति से लेकर समाजसेवा,संगठनों संस्थाओं तक सबमें जो देखने में आता है वो बार बार इसी हकीकत को बयान करता है।

अब विद्वानों के लिए लिखे लेख में अगर कोई ये पूछे और ये बताना पड़े कि कौन सी गाड़ी,गाड़ी के नीचे चलने वाला कौन और गाड़ी चलाने वाला कौन तो लिखने वाले और पढ़ने वाले दोनों को लानत है। लिखने पढ़ने वालों के बीच का मामला है और फिर लेखन में तो बात इशारों इशारों में ही होती है यानि की समझदार को इशारा काफी होता है।

वैसे हम जैसे कुछ जड़मति सम्पट नी पड़ने की शिकायत कर सकते हैं कि भिया केना क्या चाहते हो साफ साफ कहो। जैसे लेख पढ़कर कुछ लोगों के फोन आने के खतरे की संभावना भी है कि अच्छा तो आजकल हम पर कलम चला रहे हो कलमवीर... तुमको क्या लगता है हम कुछ समझते नी हैं..? अब ऐसा है कि सबकुछ खुल कर तो लिखा नहीं जा सकता। हां ये बात दिगर है कि नकटा अपनी नाक संभाले तो क्या किया जा सकता है।

तो साहब ऐसा है कि आजकल हर काम में, हर आयोजन में,हर संगठन,संस्था में,घर परिवार और रिश्तेदारी में राजनीति में हर कहीं चेहरा चमकाने की, बड़ों से नजदीकी की,खुद श्रेय लेने की और ये जताने की होड़ सी दिखाई देती है कि जो कुछ भी अच्छा हो रहा है वो मेरे कारण ही हो रहा है। अतिमहत्वाकांक्षी दूसरों को पीछे धकेलने की राजनीति में इतने शातिर तरीके से मगर इतनी मासूमियत से खेलते है, मानो दूसरे रोटी नहीं घास खा रहे हों,गोया कि उन्हें कुछ नहीं समझता।

खुलकर कहें तो बैलगाड़ी के नीचे चलते चलते वो ये समझने लगते हैं कि बैलगाड़ी को बैल नहीं वो ही चला रहे है। खुद को साथ काम करने वालों से ज्यादा अनुभवी, परिपक्व,समझदार समझने वाले इन समझदारों को लगता है काम में जो भी अच्छे परिणाम आ रहे है वो सब इनके कारण ही आ रहे है और यहां वहां जो सब गड़बड़ है वो उन सब दूसरों के कारण है जो दिल से उस काम में जुटे हैं।

इस लेख और मुहावरे की टांग पकड़कर बस समझदारो से यही कहना है कि सबको सब दिखाई देता है,सभी रोटी खाते हैं घास नहीं। अपने काम से आप अपनी लकीर बड़ी करें बहुत अच्छी बात है मगर राजनीति को हथियार बनाकर दूसरों की लकीर छोटी करके आप बड़े नही बन सकते यह बात हर उस व्यक्ति को याद रखना चाहिए जो गाड़ी के नीचे चल रहा है। वो अकेला गाड़ी नहीं चला रहा।

भूत का डर बताकर 1 करोड़ ठगे, मकान नाम कराया

गुप्तदान में फॉर्च्यूनर कार ली; 10वीं पास ढोंगी ने 5 साल किया तंत्र-मंत्र

जबलपुर (नप्र)। 'आपके घर में वास्तु दोष है। भूत-प्रेत का साया भी है। पूजा नहीं करवाई, तो बेटे की मौत हो सकती है।' जबलपुर में तीन बदमाशों ने एक प्रॉपर्टी डीलर को भूत-प्रेत का डर दिखाकर 1 करोड़ रुपए ऐंठ लिए। एक मकान अपने नाम करा लिया। तंत्र-मंत्र के लिए गुप्तदान में फॉर्च्यूनर कार भी ले ली। 10वीं पास ढोंगी ने 5 साल तक परिवार को उलझाकर रखा। ठगी का एहसास हुआ तो तिलहरी के रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर विजेंद्र बावत ने 9 जुलाई को एसपी आदित्य प्रताप सिंह से शिकायत की।

गोराबाजार थाना पुलिस की जांच में पता चला कि आरोपियों के खिलाफ पहले से कैंट और गोहलपुर थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया।

पुश्तैनी जमीन बेचना चाहता था परिवार- तिलहरी में गुलाबचंद (77) पत्नी शकुंतला बातव (64), बेटे विजेंद्र (43) और विक्की (41) के साथ रहते हैं। गुलाबचंद रेलवे से रिटायर्ड हैं। विजेंद्र और विक्की प्रॉपर्टी डीलर हैं। क्षेत्र में उनकी बेशकीमती पुश्तैनी जमीन है। 2016 में वह जमीन बेचना चाहते थे। कुछ बिल्डर्स से बात भी हुई थी।

यह बात चंडाल भाटा के रहने वाले अरुण

दुबे, वरुण दुबे और सचिन उपाध्याय को पता चली। अरुण और वरुण सगे भाई हैं। तीनों ने परिवार को ठगने की साजिश रची। एक सप्ताह तक घर की रेकी की। परिवार के बारे में जानकारी जुटाई।

सोशल मीडिया पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी- विजेंद्र ने बताया, 2016 जनवरी-फरवरी में मुख्य आरोपी अरुण दुबे ने मुझे सोशल मीडिया पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर दोस्ती की। दोनों की मैसेंजर में बात होने लगी। मैंने उसे बताया कि पॉश इलाके में जमीन है। उसे बेचना चाहते हैं। कई बिल्डरों से बात भी चल रही है।

अरुण ने कहा, 'मैं ज्योतिषी हूं। बता सकता हूं कि आपके घर में क्यों बाधा आ रही है। यह बात मैंने माता-पिता और छोटे भाई को बताई। मां ने अरुण को घर बुलाने के लिए कहा। मई 2016 में पहली बार अरुण अपने छोटे भाई वरुण और दोस्त सचिन के साथ विजेंद्र के घर पहुंचा।

छोटे बेटे के भाग्य में अकूत संपत्ति बताई- विजेंद्र ने बताया, 'साल 2016 से 2018 तक करीब 60 से 70 लाख रुपए चेक और नकदी ले चुके थे। एक दिन मां आरोपियों ने दंडी स्वामी का फर्जी लेटर बताया। कहा- पत्र में लिखा है कि आपका छोटा बेटा विक्की बातव के पास बहुत सारा पैसा आने वाला है। दुबई में उसका इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट का काम होगा। इसके लिए वरुण दुबे की बात्सया ओवरसीज कंपनी में पार्टनर बनना होगा। वरुण ने शकुंतला और विक्की को फर्जी कंपनी में पार्टनर बना लिया। इसके एवज में 16 लाख रुपए का चेक ले लिया। कहा कि जल्द ही काम तेजी से चलेगा। दुबई में ही शिफ्ट हो जाओगे।

मां से कहा, छोटे बेटे की मौत हो जाएगी

तीनों आरोपियों ने काफी देर तक पूरा घर देखा। मां शकुंतला से कहा कि घर में वास्तुदोष है। आपके छोटे बेटे का भी मृत्यु योग दिख रहा है। कुछ ही साल बाद बेटे की मौत हो जाएगी। यह सुनकर शकुंतला डर गईं।

समाधान पूछा, तो पूजा करने की बात कही। इसके लिए 10 हजार रुपए ले लिए। आधे घंटे की पूजा करके चले गए। इसके बाद हर तीन-चार दिन बाद बातव परिवार के घर आते-जाते रहे। भूत-प्रेत और वास्तुदोष के नाम पर कभी 20 हजार, 50 हजार तो कभी एक लाख रुपए ले जाते। एक दिन कहा कि घर के सभी लोगों को कुंडली बनाकर देखा जाएगा। इसके लिए दो लाख रुपए ले लिए। चार दिन बाद कुंडली लेकर घर पहुंचे। बताया कि जो जमीन है, उस पर 14 प्रेत हैं। जब तक वे रहेंगे, तब तक जमीन नहीं बिकेगी।'

दंडी स्वामी के नाम पर गुप्तदान भी मांगा

विजेंद्र ने बताया, साल 2017-18 में अरुण ने मां से कहा कि जमीन से 14 प्रेतों को दूसरे मकान में भेजा जाएगा। दंडी स्वामी प्रेतों को निकालेंगे। उसके लिए गुप्त दान करना होगा। प्रेतों के लिए नया मकान देना होगा। अरुण ने ग्रीन सिटी के पास स्थित एक मकान को दंडी स्वामी और प्रेत के लिए दिलाने की बात कही। बातों में आकर दंडी स्वामी के लिए 45 लाख का मकान खरीदवा दिया। रजिस्ट्री वरुण दुबे के नाम करवा दी।

आरोपियों ने कहा, गुप्तदान के बारे में किसी को बताया, तो सब बेअसर हो जाएगा। वरुण दुबे यह कहकर मकान में रहने लगा कि कभी-कभी दंडी स्वामी यहां आते हैं। मैं उनकी सेवा के लिए रह रहा हूं। आरोपियों ने ग्वारीघाट पर बैठे साधुओं को भी पैसों का लालच दिया था। जिसे भी पूजा के लिए बुलाते, तो साधु से आशीर्वाद दिलवाकर कहते कि सब अच्छा होगा। इसके लिए भी पैसे लिया करते थे।

जबलपुर में 20 जुलाई को होगी इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव

सीएम डॉ. यादव बोले- अंबानी ने डिफेंस क्षेत्र में रुचि दिखाई; 5 कॉन्क्लेव और आयोजित होगी

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के जबलपुर में 20 जुलाई को इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव होगी। ऐसी ही 5 कॉन्क्लेव और आयोजित की

जाएगी। अनिल अंबानी ने जबलपुर में डिफेंस क्षेत्र में रुचि दिखाई है। महिंद्रा ग्रुप ने बांधवगढ़ उमरिया क्षेत्र में काम करने की इच्छा जताई है। अगस्त में ग्वालियर में कॉन्क्लेव होगी।

यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को मंत्रालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। कहा- जब प्रदेश में निवेश आएगा तो प्रदेश की आर्थिक समृद्धि भी बढ़ेगी। उज्जैन में हुई कॉन्क्लेव की सफलता के बाद अब 6 रीजनल कॉन्क्लेव करने की तैयारी कर रहे हैं।

कहा- मुंबई में उद्योगपतियों के साथ बैठक की थी। उन्हें 20 जुलाई को होने वाली रीजनल कॉन्फ्रेंस के लिए बुलाया है। अगस्त में ग्वालियर और फिर सागर में होने वाली रीजनल कॉन्क्लेव के लिए भी उद्योगपतियों ने प्रस्ताव दिए हैं।

जबलपुर कॉन्क्लेव में 1500 निवेशकों के प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में बिजली, पानी, लॉ एंड ऑर्डर अनुकूल है। हम निवेशकों से यही प्रोडक्ट बनाने की बात कर रहे हैं। जबलपुर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में 1500 निवेशकों के प्रस्ताव आए हैं। इसमें ताईवान और मलेशिया के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। 70 प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास होगा। इनमें 1222 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। अक्टूबर में रीवा में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होगी।

ट्रेन की टक्कर से टाइगर की मौत

सीहोर में रेलवे ट्रैक पर मिला शव; पास में ही दो शावक घायल मिले

सीहोर (एजेंसी)। सीहोर जिले के बुधनी क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से एक बाघ की मौत हो गई। जबकि दो छोटे शावक घायल हो गए। इनके इलाज के लिए भोपाल से डॉक्टर्स की टीम यहां पहुंची है। जिसने शावकों को इलाज शुरू कर दिया है।

हादसा सोमवार सुबह 11 से 12 बजे के बीच बुधनी के मिडघाट रेलवे ट्रैक के खंभा नंबर 800/18 के पास हुआ। रेंजर महिपाल सिंह ने बताया कि रेलवे ट्रैक पर 1 बाघ का शव मिला है। उसके साथ दो बाघ घायल थे। ये ट्रेन की चपेट में आए हैं। वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया है। डीएफओ एमएस डाबर ने भी बाघ के ट्रेन से टकराने की बात कही है। दोनों शावक की उम्र एक एक साल की बताई जा रही है।घायल शावकों के इलाज के लिए भोपाल से डॉक्टर्स की टीम पहुंची है।दो शावक घायल हालत में रेलवे टैक के पास नाली में मिले।

म.प्र. में 785 टाइगर, राज्य को टाइगर स्टेट का दर्जा

2022 की गणना के अनुसार मध्यप्रदेश में 785 बाघ पाए गए। जो देश में सबसे ज्यादा है। इस घोषणा के साथ ही मध्यप्रदेश को लगातार दूसरी बार टाइगर स्टेट का दर्जा मिला है। पिछली गणना 4 साल पहले 2018 में हुई थी। तब यह संख्या 526 थी। इसमें अब 259 टाइगर बढ़ गए हैं। इंटरनेशनल टाइगर डे पर 29 जुलाई 2023 को यह रिपोर्ट जारी की गई थी। जिसमें मध्य प्रदेश तीसरी बार टाइगर स्टेट बना है। सबसे पहले 2006 में टाइगर स्टेट बना था। फिर 2018 और 2022 में लगातार दो बार टाइगर स्टेट बना।

10 लाख रुपए के हीरे जड़ित सोने-चांदी के जेवर बरामद

3 आरोपी भी अरेस्ट; कोटा से इंदौर लौट रहे परिवार की गाड़ी से चुराए थे 5 बैग

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। एक परिवार का तीन महीने पहले चोरी गया सामान पुलिस ने खोज निकाला है। तीन आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी देवास के रहने वाले बताए जा रहे हैं। इंदौर का रहने वाला लाहोटी परिवार कोटा से शादी में शामिल होकर लौट रहा था। उनका सामान 16 सीटर ट्रैवलर गाड़ी पर रखा था। रास्ते में आरोपी बैग चुरा ले गए थे। 24 अप्रैल को इंदौर निवासी डॉ. सतीश लाहोटी

ने पुलिस को घटना की सूचना दी। उन्होंने बताया कि कोटा से शादी अटैंड कर फैमिली और साथियों के साथ इंदौर लौट रहे थे। रास्ते में ढाबला हर्दु के पास बदमाशों ने 16 सीटर ट्रैवलर गाड़ी के ऊपर रखे सूटकेस और बैग की रस्सी खोल दी और 5 बैग चुरा ले गए। बैग में सोने - चांदी और हीरे जड़ित जेवर थे। एसपी ने टीम गठीत की।

3 गिरफ्तार, 5 फरार

इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी में संलिप्त कुछ बदमाश करेडी माता मंदिर और उसके पास लगे डेरे में आए हुए हैं। सूचना पर घेराबंदी कर वीरेंद्र झाला (28) पिता हेमराज झाला निवासी टोकखुर्द जिला देवास को पकड़ा गया। वीरेंद्र के बताने पर सुरेश सिसोदिया निवासी ग्राम टोक कला व नारायण पिता सुरेश सिसोदिया निवासी सदर को ग्राम पाट में पुलिया के डुगर खेडा रोड के पास से गिरफ्तार किया गया। मामले में 5 आरोपी फरार है।

12 लाख 50 हजार का सामान जब्त

तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गए एक हार डायमंड गोल्ड सिंगल लाईन, स्टोन मोती गोल्ड का हार , एक कान की सोने की झुमकी सोने की झुमकी की लड , एक सफारी बैग ब्लेक रंग का व एक लाल रंग का बैग लेडीस कपडे , मेकअप का सामान, आर्टीफिसियल ज्वेलरी चार हार, चार जोड़ी झुमके, साडी पिन, बेसलेट, अंगूठी घड़ी, ज्वेलरी सेट व अपराध में प्रयुक्त दो मोटर सायकल कुल किमती 12,50,000/- रूपये लगभग की जप्त की गई।

कटनी-उमरिया में भी करोड़ों के प्रस्ताव आए

कटनी। जिले में उद्योगपति पार्थ जिंदल ने 17 हजार करोड़ के निवेश की बात कही है। उद्योगपति एसके अग्रवाल ने 4 हजार करोड़ के निवेश का प्रस्ताव दिया है। बांधवगढ़ उमरिया में भी निवेशकों ने निवेश की बात कही है। सरकार के पास 35 से ज्यादा उद्योगपतियों के निवेश प्रस्ताव अब तक आ चुके हैं।

सीधे संवाद करने से उद्योगपति कॉन्फिडेंस में आ रहे हैं, और इसके पहले जोर से चर्चाएं हुई थीं। इसके आधार पर भी वे निवेश के लिए आगे बढ़ रहे हैं। हमने प्रस्ताव दिया है कि उद्योगपति एमपी में मौजूद रॉ मटेरियल के आधार पर प्रोडक्ट तैयार करें, और उसे बेचने-रोजगार देने का काम करें। उद्योगपतियों ने इसमें रुचि दिखाई है।

रोड शो करके भी निवेशकों को आमंत्रित करेंगे- सीएम डॉ. यादव ने कहा कि इंडस्ट्रियल लैंड बैंक को मजबूत करने के लिए भी सरकार काम कर रही है। सड़क और अन्य सुविधाओं की पूर्ति के लिए काम करेंगे। कोयंबटूर, बेंगलुरू, दिल्ली, मुंबई में आने वाले समय में फिर रोड शो करके निवेशकों को आमंत्रित करेंगे।

एमपी में इंडस्ट्रियल ग्रोथ की बहुत सारी संभावनाएं हैं। इसलिए सरकार इस पर सर्वाधिक फोकस करेगी। उज्जैन में मेडिकल डिवाइस पार्क में काम हो रहा है, जो देश में सबसे बड़ा मेडिकल डिवाइस पार्क होगा। यह एक हजार एकड़ जमीन में डेवलप होगा। इसके लिए जरूरी जमीन भी उपलब्ध कराएंगे।

धार में मेगा टेक्सटाइल इंडस्ट्री की संभावना बदनावर के पास पाई गई है। जिस पर भी काम हो रहा है। 1563 एकड़ जमीन की जरूरत यहां है। जिसे उपलब्ध कराने की तैयारी है। चंबल एरिया में मुरैना में 222 करोड़ की इंडस्ट्री 61 एकड़ में लगने वाली है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में निवेश के चल रहे कामों के साथ-साथ नेशनल और स्टेट हाईवे के आसपास प्रस्तावित कामों के बारे में भी पत्रकारों से चर्चा की। कहा कि सरकार अधिकतम लोगों को रोजगार देने के प्लान के साथ काम कर रही है। जल्द ही इसके अच्छे रिजल्ट भी देखने को मिलेंगे।

मंत्री की सख्त चेतावनी के बाद भी प्राइवेट स्कूल बंद

नर्मदापुरम में आज से प्राइवेट स्कूल हड़ताल पर; बच्चों की छुट्टी, स्टाफ को बुलाया

नर्मदापुरम (एजेंसी)। मध्यप्रदेश सरकार में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप की चेतावनी के बाद भी नर्मदापुरम के प्राइवेट स्कूल संचालक सोमवार से हड़ताल पर चले गए हैं। जिले के 430 में से अधिकांश स्कूल बंद हैं, लेकिन कुछ स्कूल खुले हुए हैं और हड़ताल को समर्थन नहीं दिया है।

स्कूल को बंद रखने की जानकारी स्कूल मैनेजमेंट की ओर से पेरेंट्स के वॉट्सएप ग्रुप पर रविवार को ही दे दी गई थी। स्कूल कब तक बंद रहेंगे, यह नहीं बताया। यह तब है, जब इसकी जानकारी मिलने पर रविवार को ही शिक्षा मंत्री ने सख्त लहजे में कहा था, देश की व्यवस्था का सबसे जिम्मेदार आदमी स्कूल संचालक होता है। वो अगर हड़ताल पर जाने का गैर जिम्मेदार निर्णय करेगा तो इसके परिणाम भी ठीक नहीं होंगे। कोई समस्या है तो बातचीत से हल निकल सकता है।

प्राइवेट स्कूल संचालकों के संगठन सोसाइटी फॉर प्राइवेट स्कूल डायरेक्टर्स (सोपास) ने अनिश्चितकालीन स्कूल बंद की घोषणा की है। सोपास संगठन के जिलाध्यक्ष अलोक राजपूत ने बताया कि शिक्षा मंत्री से बात हुई है। अब संगठन की कोर कमेटी उनसे बात करेगी। प्रतिनिधि मंडल जिला स्तर के अधिकारियों से भी बात करेगा।

फीस वृद्धि की सूची में नाम, लेकिन हड़ताल को नहीं दिया समर्थन- हड़ताल का कितना असर है? जानने के लिए दैनिक भास्कर की टीम शहर के शांतिनिकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल सदर बाजार, सर्वाइट स्कूल, सेमेरिंटन हायर सेकेंडरी स्कूल चक्कर रोड, सनराइज स्कूल, सेंट

पॉल स्कूल, प्रियंका हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंची। इन स्कूलों में स्टाफ तो मिला, लेकिन बच्चों की पढ़ाई के लिए स्कूल बंद रखा गया।

शांतिनिकेतन स्कूल में सीबीएसई बोर्ड की पूरक परीक्षा हुई तो सेमेरिंटन स्कूल में संगीत का प्रोग्राम हुआ। न्यू एरा कॉन्वेंट स्कूल कालिकानगर ने हड़ताल को समर्थन नहीं दिया है। स्कूल स्टाफ का कहना है कि हमारी लड़ाई शासन की नीतियों के खिलाफ है। हड़ताल से बच्चों का नुकसान होगा। प्रशासन ने फीस बढ़ाने पर 79 स्कूल की लिस्ट बनाई है। इस लिस्ट में न्यू एरा स्कूल का नाम भी है।

सिवनी मालवा में दो दिन स्कूल बंद रखने का निर्णय- नर्मदापुरम जिले की सिवनी मालवा तहसील के 69 निजी स्कूल 15 और 16 जुलाई तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है। सोपास के प्रदेश महासचिव प्रवीण पणिकर ने बताया कि आज और कल स्कूल बंद रहेंगे। आगे क्या करेंगे, आज बैठक के बाद निर्णय लिया जाएगा। उधर, पिपरिया में सेंट जोसफ, ब्राइट करियर ने हड़ताल को समर्थन नहीं दिया है।

कार्यकर्ताओं को वाटर कैनन से खदेड़ा, आंसू गैस छोड़ी

नीट-नर्सिंग घोटाले को लेकर सीएम हाउस घेरने निकले थे; एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष घायल

भोपाल (नप्र)। भोपाल में नर्सिंग घोटाले, नीट पेपर लीक समेत अन्य परीक्षाओं में धांधली के विरोध में एनएसयूआई ने सोमवार को प्रदर्शन किया। प्रदेश भर से भोपाल पहुंचे कार्यकर्ता सुबह करीब 10 बजे से पीसीसी के बाहर जुटना शुरू हो गए थे। दोपहर करीब 2 बजे लगभग 2 हजार कार्यकर्ता सीएम हाउस का घेराव करने निकले। जिन्हें रेडक्रॉस हॉस्पिटल के पास बैरिकेड्स लगाकर रोक दिया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने वाटर कैनन चलाई। आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। जिससे एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे घायल हो गए। उन्हें रेडक्रॉस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। प्रदर्शन से पहले मंच के सामने कार्यकर्ताओं में जमकर धक्का-मुक्की हुई। एनएसयूआई कार्यकर्ता सड़क पर धरना देने बैठ गए। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी समेत अन्य नेताओं ने भी गिरफ्तारी दी।

प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे घायल हो गए। उन्हें रेडक्रास हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

एनएसयूआई नेता ने कहा- सरकार भ्रष्टाचारियों और घोटालेबाजों के साथ

एनएसयूआई नेता रवि परमार ने बताया कि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिस तरह से वाटर कैनन का प्रयोग किया, लाठीचार्ज किया गया। उससे स्पष्ट होता है कि मध्यप्रदेश की सरकार भ्रष्टाचारियों और घोटालेबाजों के साथ है।

जीतू पटवारी ने भी दी गिरफ्तारी

प्रदर्शनकारियों के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी गिरफ्तारी दी। इस दौरान पुलिस ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को पकड़-पकड़कर वैन में बिठाया गया।

प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी हुई

प्रदर्शनकारियों की पुलिस ने गिरफ्तारियां शुरू कर दी थी। पहले पुलिस ने वाटर केनन चलाई और साथ ही आंसू गैस के गोले छोड़े गए। इससे कुछ देर के लिए एनएसयूआई कार्यकर्ताओं की भीड़ तितर-बितर हुई। लेकिन, कुछ ही मिनट बाद दोबारा एनएसयूआई कार्यकर्ता सड़क पर पहुंच गए। साथ ही धरना देना शुरू कर दिया। इन्हें हटाने पुलिस ने प्रदर्शनकारियों का धरपकड़ शुरू की है।

सागर में बच्चे को जिंदा जलाया

गैस पाइप से गला कसा, अधमरा हुआ तो कपड़े डालकर आग लगा दी

सागर (नप्र)। सागर में 35 साल के एक युवक ने 11 साल के बच्चे को जिंदा जला दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला मकरोनिया के बड़तूमा गांव का है। लड़के का अधजला शव उसी के घर में 12 जुलाई को मिला था। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने बताया कि चिकन पार्टी

का कहकर वो बच्चे के घर आया। उसके साथ अननैचुरल रिलेशन बनाने की कोशिश करने लगा। बच्चे ने विरोध किया तो पहले गैस पाइप से उसका गला कसा, अधमरा होने पर उसके ऊपर कपड़े डालकर आग लगा दी। बच्चा अपने बड़े भाई और बहन के साथ रहता था। भाई-बहन भी नाबालिग हैं। पिता का निधन हो चुका है। मजदूरी के काम से मां दूसरे शहर में गई हुई थी।

भोपाल भागने की फिराक में था आरोपी

सीएसपी नीलम चौधरी के मुताबिक, जांच में पता चला था कि 11 जुलाई की रात 10 बजे नाबालिग को अंकित अहिरवार (35) के साथ देखा गया था। अंकित बड़तूमा का ही रहने वाला है। आपराधिक प्रवृत्ति का है। उसके खिलाफ मकरोनिया थाने में मारपीट और आर्म्स एक्ट के केस पहले से दर्ज हैं।

उस पर शक की एक और वजह यह थी कि वह घटना के बाद से लापता था। पुलिस संदेही मानकर उसकी तलाश कर रही थी। रविवार को आरोपी को रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। वह शहर छोड़कर भोपाल की ओर भागने की फिराक में था। आरोपी को कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय महाकाल को धन्यवाद देने पहुंचे

पेड़ लगाने के विश्व कीर्तिमान पर साष्टांग प्रणाम किया भगवान महाकाल को

उज्जैन (नप्र)। महाकाल मंदिर में भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने परिवार के साथ गर्भगृह में जाकर पूजन अर्चन किया। इस दौरान विजयवर्गीय ने नंदी हाल में साष्टांग नमन भी किया भगवान महाकाल को। रविवार को इंदौर ने एक साथ समय से पहले 12 लाख पेड़ लगाने का विश्व कीर्तिमान रचने के बाद सोमवार दोपहर को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भगवान महाकाल को धन्यवाद अर्पित करने पहुंचे। उन्होंने धोती सोले में सपत्नीक भगवान के गर्भगृह से दर्शन किए फिर नंदी हाल में बैठकर महाकाल का जाप भी किया। इस दौरान विजयवर्गीय ने नंदी के कान में अपनी मुराद भी कही। मीडिया से बात करते हुए विजवर्गीय ने कहा कि कल हमने गिनीज बुक में इंदौर का नाम दर्ज किया है, असम में 9 लाख पौधे लगाए गए थे हमारा लक्ष्य 11 लाख था लेकिन हमने उससे ज्यादा 12 लाख पौधे लगाए है और इसी कीर्तिमान को रचने पर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेने आया हु। अमरवाड़ा की जीत पर भी मंत्री विजयवर्गीय ने कहा की अब तक कांग्रेस के पास थी सीट बीजेपी ने अच्छा काम कर वहां भी जीत हासिल की है।